PATANJALI GURUKULAM

A B.S.B. Affiliated Residential Institute (Pre. Nur.-XIIth)

PROSPECTUS for Academic Session 2025-26

शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए **विवरण-पुस्तिका**

Patanjali Gurukulam (Kanya), Patanjali Yogpeeth, Haridwar, Uttarakhand-249405
suchna@patanjaligurukulam.org.in | www.patanjaligurukulam.org.in | +91-7302895125

Patanjali Gurukulam (Boys), Patanjali Yogpeeth, Haridwar, Uttarakhand-249405
patanjaligurukulam2@gmail.com | www.patanjaligurukulam.org.in | +91-7302895123

Patanjali Gurukulam (Devprayag), Tehri Garhwal, Uttarakhand-249126
pgdevprayagoffcial@gmail.com | www.patanjaligurukulam.org.in | +91-9068565319/20

Index

S.No.	Content	Page No.
1.	Message from Param Pujya Swami Ji Maharaj	2-3
2.	Message from Param Shradheya Acharya Shri Ji	4
3.	An Introduction of Patanjali Gurukulam	5
4.	An Introduction of Bhartiya Shiksha Board	5-6
5.	Mission & Objectives of Patanjali Gurukulam	7-8
6.	Expected behaviour of the members of Patanjali Gurukulam family	9
7.	Salient Features	10-11
8.	General Ethics	12-14
9.	Rules and Regulations	15-17
10.	Fee Details	18-20
11.	Contribution Structure	21
12.	Account Details	22
13.	List of Articles to be brought	23
14.	Other Instructions	24
15.	Sankalp Patra	25

पतंजलि गुरुकुलम् का ध्येय

शिक्षा शब्द सामने आते ही हमारे मन व मस्तिष्क में कई प्रकार से विचार उठते हैं। एक शिक्षा की गुणवत्ता, स्तर या पाठ्यक्रम का स्वरूप और वैश्विक दृष्टि से हम उसका मूल्यांकन करने लगते हैं। दूसरा बिन्दु होता है शिक्षा के बाद विद्यार्थी का भविष्य अर्थात् शिक्षा पूर्ण होने पर विद्यार्थी के शेष जीवन में उस शिक्षा के आधार पर उसकी वैयक्तिक, पारिवारिक, आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, राजनैतिक या वैश्विक उपयोगिता क्या होगी?

तीसरा महत्त्वपूर्ण बिन्दु होता है एक आदर्श एवं सर्वाङ्गीण शिक्षा व्यवस्था का स्वरूप कैसा होना चाहिए? जिससे विद्यार्थी के व्यक्तित्व का पूर्ण विकास हो सके। पतंजलि गुरुकुलम् में जो शिक्षा-दीक्षा हम दे रहे हैं, उसका संक्षेप में हम तीनों बिन्दुओं पर गंभीरता पूर्वक विश्लेषण करेंगे तो पायेंगे कि पतंजलि गुरुकुलम् शिक्षा व्यवस्था सर्वश्रेष्ठ व आदर्श है। गुरुकुलम् का पाठ्यक्रम सर्वश्रेष्ठ है, इसमें प्रधान विषय संस्कृत एवं शास्त्र होते हुए भी इंग्लिश व विज्ञान आदि विषयों का भी समावेश है। गुरुकुलम् का हमारा मुख्य लक्ष्य है ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना जो वैदिक ज्ञान परम्परा में पूर्ण दीक्षित हों, साथ ही आधुनिक ज्ञान विज्ञान से भी परिचित हों और गुरुकुलीय शिक्षा व्यवस्था में शिक्षित-दीक्षित होकर अपने व्यक्तित्व को शारीरिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक व सामाजिक रूप से सर्वाङ्गीण विकसित करके समाज, राष्ट्र व विश्व में सफलता, समृद्धि एवं विकास का नया इतिहास बना सकें। वैयक्तिक या चारित्रिक रूप से गुरुकुलम् के विद्यार्थी एक महामानव या महापुरुष की तरह विकसित होंगे। उनके जीवन में विविध कुशलताओं के साथ मानवता देवत्व व ऋषित्व का पूर्ण विकास होगा। संस्कृत एवं विविध शास्त्रों की कुशलता के साथ योग एवं आयुर्वेद की कुशलता। वक्तृत्व, कला, संगीत, कृषि, व्यवसाय, प्रबन्धन, अनुसंधान एवं विविध प्रकार के नेतृत्व की कुशलता आदर्श या सात्त्विक रूप से विकसित होगी। विविध भाषाओं की पूर्ण कुशलता एवं आर्षज्ञान की पूर्ण शिक्षा-दीक्षा होने से विद्यार्थी पूरे विश्व में नई संभावनाएँ खोजने एवं नये-नये कीर्तिमान बनाने में कामयाब होंगे।

पतंजलि गुरुकुलम् में विद्याभ्यास, योगाभ्यास एवं श्रेष्ठ व्रताभ्यास इन तीनों बातों को हम समान रूप से महत्त्व देते हैं। विद्याभ्यास से विद्यार्थियों का समग्र बौद्धिकविकास, योगाभ्यास से शारीरिक, भावनात्मक व आध्यात्मिक विकास तथा श्रेष्ठ दिव्य सात्त्विक व्रतों के अभ्यास से चारित्रिक विकास के द्वारा स्वभाव या प्रकृति में पूर्ण दिव्यता विकसित करना हमारा ध्येय होता है। सभी विवेकशील माता-पिता भी अपने बच्चों को ऐसे ही दिव्य रूप में विकसित होता हुआ

CHARACTER BUILDING

One of the best institutions for character and nation building

PATANJALI GURUKULAM

- Pujya Swami Ramdev Ji Maharaj

Multiple thoughts emerge in our mind whenever the word 'Education' strikes us. The main concern today remains as to whether this very education can serve its true purpose at global level or not. The second point is whether this education shall contribute in career development of the students and how would the students reflect on personal, familial, spiritual, economical, social, religious, political and global platforms.

The third important question remains as to how should the format of an ideal education be for the holistic and all round development of students.

If you happen to assess and analyze the education being imparted at Patanjali, you will realize that the education at Patanjali Gurukulam fits practically in all dimensions of today's prospect. Though Samskrit and Vedic scriptures have been included as main subjects yet an equal emphasis is laid on English, Science as well as other subjects.

The main objective of Patanjali Gurukulam is to prepare such students who not only excel in modern science but also possess deep knowledge of Vedic science. We believe that such minds shall create history by bringing prosperity and moral development in the global society. The education framework at Patanjali Gurukulam is as such that will completely transform students into great men and great personalities. Our curriculum is fully capable to manifest the innate divine virtues as well as latent skills already existing in every human being. In broad terms education at Patanjali means nurturing musical intelligence, art, agricultural skills, business skills, management skills, research skills and yoga and ayurvedic knowledge.

Our multilingual teaching approach and the Vedic education will enable the students to explore new opportunities across the world and to set new records. Patanjali Gurukulam is committed to laying equal emphasis on studies of relevant curriculum, Yogic exercise and Vedic studies. We firmly believe that the study of our curriculum will lead to cognitive development whereas Yogic exercise is meant for physical, emotional, mental well-being. Vedic study is essential and exceptional for character building. Thus our multifold strategy of cognitive, physical, emotional, mental well-being and

देखना चाहते हैं। एक आदर्श विवेकशील अभिभावक के संकल्प को हम यहाँ गुरुकुलम् में पूरा करने का कार्य कर रहे हैं। आइये! भौतिकवाद, भोगवाद एवं भीड़वाद के इस युग में अपनी सन्तानों के प्रति न्याय कीजिए। उनको बाह्य व आन्तरिक रूप से पूर्ण विकसित होने का अवसर दीजिए। शिक्षा का उद्देश्य केवल यान्त्रिक रूप से मनुष्य को मात्र तकनीकी तौर पर ही विकसित करना नहीं है अपितु शारीरिक, बौद्धिक व आध्यात्मिक रूप से मानवीय चेतना के समग्र संतुलित दिव्य विकास की प्रक्रिया साधन व साधना है। ऐसी ही विकसित आत्माओं ने संसार में महान् कार्य किए हैं। आपके कुलवंश से भी ऐसी दिव्य सन्तति तैयार हो, इसके लिए अपनी प्रतिभावान् सन्तानों को पतंजलि गुरुकुलम् में पढ़ाइये। मैं आपको आश्वासन देता हूँ, मेरी यह दृढ़ सत्य संन्यासी प्रतिज्ञा है कि आपकी सन्तानें गुरुकुलम् में पढ़कर सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार होंगी। आपको तथा इस राष्ट्र को ऐसी सन्तानों पर गौरव होगा। जीवन का सबसे बड़ा ऐश्वर्य वेदों में निष्ठा या श्रद्धा को कहा गया है- **श्रद्धां भगस्य मूर्धनि वचसा वेदयामसि।** अखण्ड ज्ञाननिष्ठा, अखण्ड भावनिष्ठा, अखण्ड पुरुषार्थ या कर्मनिष्ठा एवं अखण्ड ध्येयनिष्ठा। इन चारों निष्ठाओं को पुष्ट करती है योग निष्ठा एवं गुरुनिष्ठा। योगनिष्ठ व्यक्ति गुरु परम्परा, ऋषि परम्परा एवं वेद परम्परा के प्रति पूर्ण निष्ठावान् होता ही है। इन दिव्य निष्ठाओं से युक्त व्यक्ति के जीवन में कभी भी अज्ञान, अंधेरा, असफलता, निराशा, कुंठा, आत्मग्लानि, दुर्विचार, दुर्भावना, दुष्कर्म, दुर्गुण, दोष, दुर्बलताएँ या किसी भी तरह का अशुभ आ ही नहीं सकता।

पतंजलि गुरुकुलम् में हम इसी निष्ठातत्त्व को सर्वोपरि प्राथमिकता देते हैं। चौबीसों घंटें ऐसा वातावरण, प्रशिक्षण दिया जाता है तथा ऐसे ही अभ्यासों से उसे ढ़ाला जाता है जिससे विद्यार्थी के जीवन में सम्पूर्ण दिव्यता घटित या प्रतिष्ठित हो जाये। यद्यपि पुरुषार्थ व प्रारब्ध भेद से उच्च, मध्यम व सामान्य कोटि तीन प्रकार की आत्माएँ संसार में होती हैं। हमारा पूर्ण प्रयत्न प्रथम कोटि की आत्माएँ तैयार करना है। फिर भी मध्यम व सामान्य श्रेणी के भी पतंजलि गुरुकुलम् के विद्यार्थी संसार के अन्य शिक्षण संस्थाओं की दृष्टि से तो हजारों या लाखों गुणा श्रेष्ठ होंगे ही।

अपनी सन्तानों को आप कितनी समृद्धि, धन-दौलत, ऐश्वर्य देकर जाते हैं यह महत्त्वपूर्ण नहीं है, उनको कैसी शिक्षा, संस्कार एवं निष्ठा की दिव्य दौलत या विरासत देते हैं, यही उनके जीवन की कभी भी कम व नष्ट न होने वाली सात्त्विक सम्पत्ति है। संसार के अब तक के इतिहास में ऐसी ही सन्तानों ने या ऐसे ही विद्यार्थी, युवक-युवतियों ने नये कीर्तिमान, इतिहास या सफलताओं के आदर्श स्थापित किये हैं, जो इन दिव्यताओं से युक्त थे। अतः एक विवेकशील माता-पिता की भूमिका निभाते हुए अपनी सन्तानों को पतंजलि गुरुकुलम् में पढ़ाकर सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए भीड़ तंत्र से अलग होकर दिव्य मार्ग का चयन कीजिए।

character development shall help build a moral and divine society. Our Patanjali Gurukul is committed to fulfilling this very dream of every parent. So, join this spiritual campaign to deliver justice to your own children amidst this materially inclined world. Provide them the opportunity to grow and develop them both internally and externally. Education does not mean equipping the students with scientific and technical knowledge; rather it should be considered as the process and the best means of integral cognitive, emotional, physical and spiritual development. The past is full of such great and enlightened personalities who have contributed remarkably in different arenas in the world.

I call upon you to send your divine children to our Patanjali Gurukulam for transforming them into great personalities. It is my steadfast true ascetic vow to make your children future ready and make you proud of your generation. The Vedas mention the true opulence of life lies in 'loyalty' and 'reverence'—**Shraddham Bhagsya Moordhani Vachsa Vedyaamsi.** The students should have unshakeable faith in the Vedas and dedication for hardships. Staunch loyalty to Vedic knowledge and wisdom, unwavering devotion, unswerving perseverance and tireless industriousness are the traits which are fostered and strengthened by the blessings of Guru and regular practice of Yoga. The pursuant of Yoga can have faith in Guru-disciple (shishya) tradition, Rishi & Vedic culture and tradition. The person brought up and educated in aforesaid traditions shall never face disparity due to ignorance, failure, guilt, weakness, heinous crime, delusion and any sort of vice & evils. At Patanjali Gurukulam, we do not leave any stone unturned in maintaining and imbibing these core values in the students. We engage our students in such a way that every single student is fully molded and transformed into a divine being. Our teachings are thoroughly aimed at making our students sound in all aspects.

Even though our soul is influenced by our previous birth & deeds leading to high, low and medium level manifestation, we strive to transform our students into high level human beings. Even low performers at Patanjali Gurukul shall stand out thousand times better than others in the society.

It does not matter how much wealth and prosperity you leave for your children behind, rather how well cultured, educated and morally upright your children are. This heritage and legacy of Vedic education to your children will prove to be real and imperishable wealth. The men and women equipped with such values have created history, set landmarks and done exemplary tasks in the past.

So, acting as wise and responsible parents, send your children to Patanjali Gurukulam for leading and living a spiritual way of life far away from today's rat race for materials.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

आशीर्वचन

बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं तथा माता-पिता की आशाओं और सपनों के केन्द्र होते हैं। सभी माता-पिता अपने बच्चों को दुनिया में सबसे ऊँचाई पर देखना चाहते हैं। माता-पिता बच्चों को दुनिया की सबसे श्रेष्ठ शिक्षा देने के साथ-साथ उनको श्रेष्ठतम संस्कार भी देना चाहते हैं। भारत की सनातन आर्ष शिक्षा परम्परा में शिक्षा एवं संस्कारों का श्रेष्ठतम दिव्य समन्वय था। उसी सनातन आर्ष ज्ञान परम्परा एवं आधुनिक शिक्षा व्यवस्था का दिव्य संगम है 'पतंजलि गुरुकुलम्'। पतंजलि गुरुकुलम् में एक ओर जहाँ आधुनिकतम शिक्षा प्राप्त होती है। वहीं दूसरी ओर संस्कारों के द्वारा उनमें श्रेष्ठतम नेतृत्व भी पैदा होता है।

पहले भारत का नेतृत्व गुरुकुलों में तैयार होता था, जहाँ पर विद्यार्थी वेद-वेदांगों के साथ-साथ शस्त्रविद्या, नीतिशास्त्र व अर्थशास्त्रों का भी अध्ययन करके सही व गलत की विवेचना करने की क्षमता प्राप्त कर लेते थे। तब व्यक्ति, परिवार, समाज व राष्ट्र में ईमानदार, संयमी, सदाचारी व्यक्तियों का सर्वोपरि स्थान होता था। दुर्भाग्य से आज देश का नेतृत्व कॉन्वेंट स्कूलों एवं ऑक्सफॉर्ड, कैंब्रिज, हार्वर्ड, मैसाचुसेट्स आदि विदेशी शिक्षा संस्थानों में तैयार हो रहा है। सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, आर्थिक, व्यावसायिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक व बौद्धिक नेतृत्व, हम पतंजलि गुरुकुलम् के माध्यम से तैयार कर रहें हैं। दुर्भाग्य से आज विशेषज्ञों, नेतृत्वकर्त्ताओं एवं बुद्धिजीवियों में आध्यात्मिकता, भारतीयता व स्वाभिमान के भाव व संस्कार अत्यन्त क्षीण या मृतप्राय हो गये हैं। हम सभी क्षेत्रों में भारतीयता, आध्यात्मिकता व स्वाभिमान युक्त नेतृत्व तैयार करेंगे जिसमें आधुनिकता व भारतीयता का समग्र समावेश होगा।

पतंजलि गुरुकुलम् देश के लिए श्रेष्ठतम, पूर्ण जागृत नागरिक तैयार करने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सभी विद्यार्थियों व अभिभावकों को मंगलमय जीवन की अनन्त शुभकामनायें।

Words of Blessings

Children are considered the future of any nation. Parents weave their hopes and dreams around them. They always wish to see their children as highly successful human beings. All parents expect that their children should be highly educated and possess lofty etiquette and divine virtues.

If we look back at our glorious ancient education system, we will get to know that such expectation could be possibly met with only ancient Vedic Sanatan (Eternal) Rishi-tradition Education culture which was ever a sublime and harmonious blend of quality education and high moral ethics and values.

Patanjali Gurukulam is the institution that envisaged to adopt such a system of education where modern scientific education and ancient Vedic education confluence together. This adopted education system at Patanjali Gurukulam has led to the notable reflection of good leadership and saintly virtues in the students receiving education here.

In ancient period, good leadership was nurtured at Gurukuls in Bharat where students while studying the Vedic literature were equally engaged in various scholastic and co-scholastic activities such as martial art, battle skills, studies of Economics and Political Science. Such education made them intellectuals and practical in their approach to differentiate between good and bad. In those times, the students educated in Gurukul were venerated and held very high status in the society for they were honest, composed and morally sound in their traits.

Unfortunately, today's short-sighted society thinks that the construction of a good leadership rests with only foreign educational institutions such as Convent Schools, Oxford, Cambridge, Howard and Massachusetts etc.

Now Patanjali Gurukulam has stood up to develop social, cultural, spiritual, economical, business, political, scientific and intellectual leadership through our ancient, glorious and sublime Vedic education system.

Woefully, in modern times most of the subject-experts, leaders and even scholars have gone astray and have almost lost & forgotten the virtues and feelings of spirituality, nationalism, self-esteem and moral values.

Thus we believe that education at Patanjali Gurukulam will give our students edge leadership inclusive of modernity and nationalism.

We feel proud to say that Patanjali Gurukulam is playing a significant role in raising the best and consciously awakened citizens.

Wishing all the parents a blissful life!

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

पतंजलि गुरुकुलम् परिचय

परम पूज्य योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज और श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के दिव्य आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन से 'पतंजलि गुरुकुलम्' का उद्घाटन जून 2017 में श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत उत्तराखण्ड मुख्यमंत्री, R.S.S. संघ अध्यक्ष श्री मोहन भागवत जी, आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी व अनेक पूज्य संतो के कर कमलों से किया गया। भारत वर्ष के प्राचीन ऋषि-मुनियों द्वारा स्थापित वैदिक गुरुकुलों की सनातन आर्ष ज्ञान परम्परा पर आधारित इस गुरुकुल में बालकों के सर्वाङ्गीण विकास हेतु आवश्यक आधुनिक शिक्षा का भी समुचित समावेश किया गया है।

वर्तमान में यह गुरुकुल की शाखाएँ हैं-

१) पतंजलि गुरुकुलम् (कन्या), हरिद्वार के अर्न्तगत कक्षायें:-
   (i) बालक-बालिकाओं हेतु कक्षा प्री-नर्सरी से 4 तक।
   (ii) केवल बालिकाओं हेतु कक्षा 5 से आरम्भ।
२) पतंजलि गुरुकुलम्, हरिद्वार (केवल बालकों हेतु कक्षा 5 से आरम्भ)।
३) पतंजलि गुरुकुलम्, देवप्रयाग (केवल बालिकाओं हेतु कक्षा 6 से आरम्भ)।

पतंजलि गुरुकुलम् की ये सभी शाखाएं "भारतीय शिक्षा बोर्ड" से सम्बद्ध है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड परिचय

१) भारतीय शिक्षा बोर्ड, भारत सरकार द्वारा पूर्ण विधि व प्रक्रिया से गठित व पूर्ण मान्यता प्राप्त एक राष्ट्रीय विद्यालयीय शिक्षा बोर्ड है। जिसके द्वारा जारी किए गए प्रमाण-पत्र देश के किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड (जैसे CBSE आदि) द्वारा जारी प्रमाण-पत्रों के समतुल्य हैं। जो देश-विदेश के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में नियमानुसार स्वीकार्य रहेंगे।

An Introduction of Patanjali Gurukulam

With the holy blessings and benign guidance of Param Pujya Yogrishi Swami Ramdevji Maharaj and Shraddheya Acharya Balkrishnaji Maharaj and in the divine and august presence of Shri Trivendra Singh Rawat ji (the then Chief Minister of Uttarakhand), Head of R.S.S. Shri Mohan Bhagwat ji, Pujya Acharya Mahamandaleshwar Swami Avadheshanandji Giri ji Maharaj and other venerable saints and distinguished dignitaries, **Patanjali Gurukulam**, was inaugurated in June, 2017. Following our classical and glorious perpetual Vedic Rishi tradition and culture of Vedic Gurukuls, well-established by our ancient enlighthened Rishi-Munis (saints & sages; hermit & ascetic), the considerable inclusion of modern education has also been incorporated for the holistic development of its students.

At present Gurukul has it's branches at–

1. Patanjali Gurukulam (Girls), Haridwar:
   i) Co-education classes (Pre-Nurery to 4th)
   ii) Class-5 & onwards (Only for girls)
2. Patanjali Gurukulam, Haridwar (For boys; class-5 onwards)
3. Patanjali Gurukulam, Devprayag (For girls; class-6 onwards)

All these branches of Patanjali Gurukulam are affiliated to "Bhartiya Shiksha Board"

An Introduction of Bhartiya Shiksha Board

1. Bhartiya Shiksha Board is a fully recognized National School Education Board set up by the Government of India with due legalities and procedures. Certificates issued by this Board are equivalent to the certificates issued by any other recognized national

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

२) भारतीय शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्र गौरव, सत्य इतिहास, सांस्कृतिक मूल्य एवं विस्तृत प्राचीन सनातन वैज्ञानिक, ज्ञान परम्पराओं को छात्रों के जीवन में उद्भासित करने वाले पाठ्यक्रम को अपनी पुस्तकों में विशिष्ट स्थान दिया है। जिससे बालक सर्वांगीण विकसित होते हुए अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर आजीवन सम्पोषण प्राप्त करते हुए अभ्युदय व निश्रेयस रूपी मानव जीवन के लक्ष्य को निश्चय ही प्राप्त कर सकेंगे।

३) भारतीय शिक्षा बोर्ड को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत उच्च शिक्षा विभाग के पत्रांक संख्या File No. 3-16/2017-Skt-I दिनांकित 06.03.2019 के अंतर्गत स्थापित किया गया है।

४) "एसोशियन ऑफ यूनिवर्सिटीज" (AOU) ने अपने पत्रांक संख्या AIU/EV/IN(1)/2022/BSB दिनांकित 03.08.2022 के माध्यम से भारतीय शिक्षा बोर्ड को अन्य राष्ट्रीय व राज्य शिक्षा बोर्डों के समतुल्य रखा है।

५) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने भारतीय शिक्षा बोर्ड को अपने पत्र संख्या F.11-3/2016-SCH.3 दिनांकित 03.02.2023 के द्वारा एक राष्ट्रीय शैक्षणिक बोर्ड के रूप में अधिसूचित किया है। यह जानकारी शिक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर 'बोर्ड्स' कॉलम में भी दर्शायी गई है।

६) भारतीय शिक्षा बोर्ड को "काऊंसिल ऑफ बोर्ड्स ऑफ स्कूल ऐजुकेशन इन इण्डिया" द्वारा सदस्यता भी प्रदान की गई है। (पत्र संख्या COBSC/C.389/2023 दिनांकित 05.01.2023)।

७) भारतीय शिक्षा बोर्ड से सम्बन्धित अधिक जानकारी आप बोर्ड की वेबसाइट www.bsb.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

board like CBSE etc. These certificates will be acceptable in all Indian/foreign schools, colleges and universities as per the relevant rules & regulations.

2. Bhartiya Shiksha Board has given a prominent place in its books to the curriculum that promotes the national pride, true history, cultural values and extended ancient eternal scientific knowledge and traditions in the lives of students. Due to which the child will be able to develop in all aspects and will be able to achieve the goal of human life in the form of prosperity and well-being by staying connected to his/her cultural roots and getting lifelong nourishment from them.
3. Bhartiya Shiksha Board has been established under the Ministry of Education, Department of Higher Education, GOI Letter: File No. 3-16/2017-Skt-I dated 06-03-2019.
4. It has been recognized as equivalent to other National and State Boards of India by the Association of Universities (AIU) vide letter AIU/EV/IN (1)/2022/BSB dated 03rd August 2022.
5. Ministry of Education, Government of India, has also notified Bhartiya Shiksha Board as a National Board vide its No.F.11-3/2016-Sch.3 dated 03rd February 2023. This information is also displayed on the website of the Ministry under the section BOARDS.
6. Bhartiya Shiksha Board has been granted membership of the Council of Boards of School Education in India (COBSE) vide letter number COBSE/C.389/2023 dated 5th Jan, 2023.
7. For more information regarding Bhartiya Shiksha Board you may visit the Board's website www.bsb.org.in

हमारा ध्येय :

भारतीय मूल्य बोध के साथ पूर्ण जागृत व पूर्ण समर्थ आत्माएँ तैयार करना एवं उनके माध्यम से पूर्ण जागृत, प्रकाशित, विकसित तथा शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक व वैज्ञानिक रूप से समर्थ परिवार, समाज, राष्ट्र व विश्व का निर्माण करना।

पतंजलि गुरुकुलम् की उपादेयता :

१) वैदिक विद्वान् निर्माण योजना : व्याकरण, दर्शन, उपनिषद्, वेद, वैदिक साहित्य, भारतीय प्रामाणिक इतिहास एवं राजधर्म आदि विषयों के सन्दर्भ में प्रामाणिक विद्वान् तैयार हों तथा सामाजिक, आध्यात्मिक, आर्थिक, वैज्ञानिक व राजनैतिक दृष्टि से एक आदर्श नेतृत्व देने की क्षमता रखने वाले स्नातक विद्यार्थी तैयार हों।

२) आधुनिक भारत की राष्ट्रीय नेतृत्व निर्माण योजना : विभिन्न क्षेत्रों जैसे- शिक्षा, पत्रकारिता, योग, प्रबंधन, मीडिया, उद्योग, व्यापार, आयुर्वेद चिकित्सा, क्रीडा, कला, संगीत, नाट्य, उन्नत कृषि, गौ सेवा-संवर्धन, पर्यावरण रक्षा, रक्षा सेवाएं, प्रशासनिक सेवाएं, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक, सामाजिक, आध्यात्मिक क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित करने हेतु बौद्धिक व राष्ट्रीय नेतृत्व तैयार हो।

३) हम दोनों क्षेत्रों की महिमा, उपयोगिता व आकर्षण बच्चों में समान रूप से सम्प्रेषित करेंगे। उन्हें विश्वकल्याण हेतु ऐसे विराट् व्यक्तित्व के रूप में निखारेंगे जो अपनी समस्त आंतरिक दुर्बलताओं पर पूर्ण विजयी होकर शुभ संकल्पों के साथ देशसेवा के पावन भाव से सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में बड़ी सेवाओं में अपनी योग्यताओं के बल पर एक विशिष्ट योगदान दे सकें। इसके लिए अध्ययन काल में व तदुपरान्त उपयुक्त समय पर उन्हें बड़ी सेवाओं हेतु समुचित प्रशिक्षण देकर तैयार किया जायेगा। फिर जिसका जैसा पुरुषार्थ, संस्कार व स्वभाव होगा, वैसा वह तैयार होगा। हमारा लक्ष्य प्रत्येक बालक/बालिका की विशिष्ट योग्यता व कुशलता को उच्चतम स्तर तक निखारकर उसे एक विशिष्ट व्यक्तित्व प्रदान करना है।

Our Mission

To groom fully awakened and fully competent souls who will build an awakened, enlightened, physically, mentally, intellectually, spiritually, socially, economically, politically and scientifically developed family, society, nation and the world on the whole.

Objectives of Patanjali Gurukulam :

1. **Programme of Creating Vedic Scholars:** This spiritual programme is for preparing various authentic scholars related to different subjects and areas such as Grammar, Philosophy, Upanishads, Vedas, Vedic Literature, Authentic Bhartiya History and Raj Dharma etc, and the graduate who will be capable of exhibiting unparallel ability to provide ideal leadership in social, spiritual, economic, scientific and political aspects.
2. **National Leadership Development Program for Modern Bharat:-** This program aims to prepare Intellectual and national leadership who can establish new benchmarks in various fields such as Education, Journalism, Management, Media, Yoga, Ayurveda Chikitsa, Industry, Business, Sports, Arts, Music, Advanced Agriculture, Gau-Sewa, Environmental Protection, Defence Services, Administrative Services and in Economic, Political, Religious, Social and Spiritual fields in large Services for the welfare of the world. For this, they will be prepared by giving proper training at the appropriate time during and after the studies itself. Then one will get prepared according to one's endeavour, values and nature. Our aim is to provide a unique personality to each child by enhancing their special abilities and skills to the highest level.
3. We will inculcate the glory, usefulness and attraction of both the fields equally among the children. We will develope them as such great personalities who, having completely over come all their internal weaknesses, with pure intentions and with the sacred feeling of service to the country, can make a special contribution on the basis of their abilities as cultural representatives in large services for the welfare of the world. For this, they will be prepared by giving proper training at the appropriate time during the study period it self. Then one will get prepared according to the one's efforts, nature and values. Our aim is to provide a unique personality to each child by enhancing their special abilites and skills to the highest level.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

४) **शैक्षणिक व्यवस्था :** गुरुकुलम् में अध्ययनरत बालकों को दसवीं कक्षा तक सभी आधुनिक व पारम्परिक विषय पढ़ाये जायेंगें। उसके उपरांत आवश्यकतानुसार कला संकाय के विषयों सहित अपनी पारम्परिक विधाओं का शिक्षण ही कराया जायेगा। उन्हें शैक्षणिक उपाधियाँ अपनी पारम्परिक शिक्षा (वैदिक विषयों, संस्कृत शिक्षा) के क्षेत्र में ही दी जायेंगी परंतु अन्य विषयों (पूर्वोक्त बिन्दु २ में उद्धृत) में ज्ञान संवर्धन हेतु एवं योग्यता निर्माण हेतु उपयुक्त समय पर प्रशिक्षण व अवसर दिये जायेंगे।

५) **शिक्षण का माध्यम :** सदियों तक गुलामी के चिह्नों को ढ़ोने के कारण अंग्रेजी माध्यम ही शिक्षा का श्रेष्ठ माध्यम है ऐसी पराधीनतायुक्त, दुराग्रहपूर्ण मानसिकता को तोड़ते हुए भारतीय शिक्षा व्यवस्था में एक नई क्रांति के रूप में पतंजलि गुरुकुलम् ने पठन-पाठन को शुद्ध भारतीय भाषाओं में करने-कराने का पावन संकल्प लिया है।

कोमल बाल मस्तिष्कों पर ज्ञान को एक विदेशी भाषा के माध्यम से ही ग्रहण करने की बाध्यता व बोझ को दूर करते हुए गुरुकुलम् में मुख्य शिक्षण माध्यम सरल हिंदी को ही रखा गया है। अंग्रेजी का समुचित ज्ञान एक भाषा व विषय के रूप में अवश्य रहेगा एवं साथ में ही बालक को योग्यता व सामर्थ्यानुसार कम से कम एक और रुचि व योग्यतानुसार और अधिक विदेशी भाषाओं का भी सम्यक् ज्ञान व अभ्यास कराया जायेगा। हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं को भी यथाअवसर गौरवपूर्ण स्थान देने का प्रयास गुरुकुलम् की ओर से रहेगा।

६) **भविष्य योजना एवं कार्य योजना :** परम पूज्य महाराज श्री की इस दिव्य नेतृत्व निर्माण योजना में जो भी निष्ठावान् बालक उनके निर्देशन में अपनी शिक्षा पूर्ण करेंगे उनके भविष्य योजना (Career Planning) एवं 100% कार्य नियोजन (Job Placement) की उपयुक्त व्यवस्था पतंजलि संस्थान की ओर से होगी। योग्य, निष्ठावान् व समर्पित छात्रों को उनकी योग्यता, दक्षता व संस्थान की आवश्यकताओं अनुसार सवेतन विभिन्न सेवाकार्यों/ निकायों में 100% नियोजित किया जायेगा।

4. **Educational System:** All modern and traditional subjects will be taught to children up to class 10th. After that, as per the requirement, students will study only the subjects of Humanities and traditional Vedic Studies. Though they will be given academic degrees in the field of their traditional education (Vedic subjects, Sanskrit education) only, Training and opportunities will be given at the appropriate time for enhancing knowledge and building competence in other subjects (quoted in point 2 above).

5. **Medium of instruction:** Breaking the subservient and prejudiced mindset that English medium is the best medium of education due to carrying the marks of slavery for centuries, Patanjali Gurukulam has taken a sacred resolution to initiate a new revolution in the Bhartiya Education System by teaching and learning in pure Bhartiya languages.

Removing the burden and compulsion of acquiring knowledge through a foreign language on the tender minds of children, the main medium of teaching in Gurukulam has been kept as simple Hindi. Proper knowledge of English will be a must as a language and subject and along with it, the child will be given proper knowledge and practice of at least one foreign language (more as per his/her interest and aptitude) as per his/her ability and capacity Along with Hindi, Gurukulam will try to give a place of pride to other Indian languages as per the available opportunities.

6. **Career Planning and Job Placement:** Patanjali will make appropriate arrangements for the career planning and 100% job placement for those dedicated students who will complete their education under the direction of Param Pujya Swami ji Maharaj for this programme of creating divine leadership. Eligible, loyal and dedicated students will be employed 100% in various services/bodies with salary as per their qualification, efficiency and the requirements of the Institution.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

पतंजलि गुरुकुलम् परिवार के सदस्यों से अपेक्षित आचरण :

१. ज्ञान पक्ष–

बचपन से ही बच्चों का बौद्धिक विकास हमारा मूल लक्ष्य है।

२. आचरण पक्ष–

स्थूल दोषों से विद्यार्थी 100 प्रतिशत मुक्त रहें तथा सूक्ष्म दोषों को अनुभव करके पूरी ईमानदारी से उनको दूर करने के लिए संकल्पित रहें जिससे कि हम गर्व से कह सकें कि हमारे पूर्वज कैसे थे? पतंजलि गुरुकुलम् के विद्यार्थी व स्नातकों जैसे थे। एक आदर्श ईश्वर पुत्र, ऋषि–ऋषिकाओं व वीर–वीरांगनाओं की सन्तान तथा भारत माता या धरती माता की श्रेष्ठ सन्तानों को जैसा आचरण रखना चाहिए वैसा ही आचरण हमारे आचार्यों, विद्यार्थियों व स्नातकों का हो। अशुभ आचरण के प्रति प्रतिपक्ष भावना अत्यन्त सबल होनी चाहिए। जैसी हमारी माँसाहार, दुराचार, हिंसा व दुर्व्यसनों के प्रति होती है, वैसी ही भावना जीवन के सूक्ष्म दोषों– वासना, निराशा, आवेग, आग्रह एवं प्रतिक्रिया आदि के प्रति निर्मित हो। अशुभ का हम स्वागत न करें। यह सत्य है कि अनादि काल से हमारे साथ जुड़ा कर्माशय, संस्कार, इस जन्म का स्वभाव व प्रवृत्ति दोष हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती या बाधा बनकर बीच में आयेगा। लेकिन दृढ़ संकल्प व उत्साह के साथ विवेक पूर्वक योग, साधना व तपःपूत वातावरण में गुरुजनों के पावन सान्निध्य, आशीर्वाद, आज्ञानुवर्तन, प्रियाचरण एवं प्रभुकृपा से हम इस समस्या पर भी विजय पा निश्चय ही अपने समस्त अशुभ संस्कारों को दग्धबीज या निर्बीज करेंगे। इस पवित्र सङ्कल्प को हमें अपने जीवन में प्रतिपल क्रियान्वित करना है।

३. अभिभावकों से अपेक्षित आचरण–

अभिभावक स्थूल दोषों से 100 प्रतिशत मुक्त होने चाहिएँ। ऋषि–ऋषिकाओं, वीर–वीरांगनाओं एवं महापुरुषों के पथानुगामी हों। स्वधर्म (वेदधर्म, मातृधर्म, पितृधर्म, राष्ट्रधर्म) के प्रति पूर्ण निष्ठावान् होने चाहिएँ। बालक–बालिकाओं के प्रति पूर्ण स्नेह के साथ–साथ उनके उत्कर्ष हेतु अभिभावकों में उदारता व कठोरता होनी चाहिए। संस्थान के प्रति पूर्ण समर्पित, ईमानदार एवं निष्ठावान् हों।

Expected behaviour of the members of Patanjali Gurukulam family:

1. Knowledge Aspect-

To enhance intellectual development of a child is our primary goal.

2. Behavioural Aspect-

To ensure that a child remains 100% free from prominent behavioural vices. And being aware of the latent vices and to get rid of same with full determination and honesty so that we can take pride in saying, "We at Patanjali Gurukulam are following the path of our ancestors." All Acharyas, scholars and students are expected to have the attitude and values as expected from the descendants of Rishi-Rishika, Veer-Veerrangnas and from the greatest children of Bharatmata. We should have a strong morale against unethical conduct. We should have the same hatred against the latent vices like desire, despair, insistence, impulse, reaction, etc. as we have against prominent vices like non-vegetarian diet, malpractices, depravity, violence, addiction, etc. We should not welcome any unethical conduct, though it is true that, our Sanskaras and Karmashaya (habitual potencies and fruit of the all type of actions performed in previous births or lives) instilled in our soul from previous lives and our attitude and nature of the present life will stand as a biggest challenge in front of us. However, with awakened conscience, firm determination and enthusiasm and with practice of yoga, devotion, dedication, meditation and under the holy shelter of our spiritual masters and having their kind blessings and divine grace and following the path of obedience we can overcome such difficulties and uproot our inauspicious reflections of actions. Our life must be driven by this sacred resolution every moment.

3. Expected Behaviour from the Parents/Guardians-

Parents/Guardians must be 100% free from conspicuous vices. They are supposed to be the followers of our ancient and Vedic religion of Rishi-Rishikas, Veer-Veeranganas and great personalities. Furthermore, they must be loyal to their duties and responsibilities and have great reverence, dedication and devotion to our great motherland and own Vedic & spiritual culture, religion and tradition. They must learn the skill to use affection, appreciation and punishment as tools for the bright upliftment of their children. Ultimately, it is urged to show utmost dedication, devotion and loyalty towards institution.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

मुख्य विशेषताएँ/Salient Features

१) नवीन शिक्षा व्यवस्था के अन्वेषक के रूप में पतंजलि गुरुकुलम् में सनातन श्रुति परंपरा के साथ-साथ अत्याधुनिक विधाओं व उपकरणों से सुसज्जित परिसर में आधुनिक पाठ्यक्रम का समन्वय किया गया है। इसमें छात्र एक ओर जहाँ संस्कृत, वेद-वेदांग, उपनिषद्, दर्शन इत्यादि में दक्षता प्राप्त करते हैं, वहीं दूसरी ओर वे आधुनिक शिक्षा पद्धति के अनुरूप अंग्रेजी भाषा, अंग्रेजी सम्भाषण, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला एवं शिल्प व खेलों में भी निपुण होते हैं। छात्रों में वैदिक सभ्यता, संस्कार एवं मानवीय मूल्यों को अंतर्निविष्ट करना ही "पतंजलि गुरुकुलम्" की अवधारणा का केन्द्र बिन्दु है।

२) बहुआयामी व समग्र व्यक्तित्व का निर्माण करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, बौद्धिक व आध्यात्मिक रूप से छात्रों का सर्वांगीण विकास ही पतंजलि गुरुकुलम् का लक्ष्य है तथा पतंजलि गुरुकुलम् परिवार द्वारा प्रतिदिन किये जाने वाले योग व हवन की इस उद्देश्य की प्राप्ति में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

३) परम्परागत वैदिक गुरुकुलीय पद्धति के अनुरूप शिक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व सभी छात्र-छात्राओं का वैदिक विधि-विधान से "उपनयन संस्कार" किया जाता है एवं अन्य संस्कार कर्णवेधादि भी यथासमय सम्पादित किये जाते हैं।

४) पतंजलि गुरुकुलम् पूर्व और पश्चिम की श्रेष्ठतम शैक्षणिक पद्धतियों का अद्वितीय उदाहरण है।

५) आध्यात्मिकता तथा चरित्र निर्माण पर विशेष बल देते हुए पतंजलि गुरुकुलम् को कल के भावी सामाजिक व राष्ट्रीय नेतृत्व निर्माण की दिव्य निर्माणशाला के रूप में स्थापित किया गया है।

६) भारत माता तथा प्रकृति के प्रति आदर व प्रेम अंतर्निविष्ट करने के लिए छात्रों को योग, आयुर्वेद पर आधारित स्वदेशी जीवन पद्धति एवं पूर्ण सात्त्विक व पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाता है।

७) छात्रों का समय-समय पर विश्व के महान् शिक्षाविदों व गुरुओं द्वारा मार्गदर्शन किया जाता है।

८) संस्थान में सदैव अभिनव तथा रचनात्मक क्रियाकलापों को प्रोत्साहन दिया जाता है।

९) पाठ्य सहगामी क्रियाओं से विभिन्न उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु छात्रों को समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण हेतु ले जाया जाता है।

1. As the pathfinder of a different education system Patanjali Gurukulam integrates the eternal and sacred heritage of oral Vaidic learning along with the latest developments in modern education in a world class learning ambience, facilitated with the best hi-tech multimedia learning tools. In this, children master the subjects ranging from Sanskrit, Veda-Vedangas, Upanishad, Vaidic Mathematics, Philosophy, etc. Same way as part of Modern education they also develop proficiency in English language, English conversation, Mathematics, Science, Social Studies, Art & Craft, Sports, etc. However, inculcating Vaidic Culture, Ethics and Sanskaras lies at the centre of the whole concept.
2. Multi-faceted and Comprehensive development of the individual's personality is the objective of Education. A truly holistic development - i.e. the development of physical, intellectual, spiritual and emotional faculties of a child is the goal here at Patanjali Gurukulam and regular practice of yoga and hawan by the whole of its family plays a significant role to achieve this goal.
3. As part of Rishi tradition of our country all the *Rishiputras & Rishikanyas* of Patanjali Gurukulam will have their *Upnayan Sanskar done* before *Vedarambh.*
4. Patanjali Gurukulam is a confluence of the best of the Eastern and the Western systems of Education.
5. With special emphasis on spirituality and character building, Patanjali Gurukulam has been established as the breeding ground for Social and National leaders of tomorrow.
6. To inculcate the indomitable love for the Motherland and the Mother Nature, the young children here will be taught Swadeshi way of life based on Yoga and Ayurveda with satvik and nutritious food.
7. Children here are blessed with regular sessions and guidance from world's top educationists, visiting faculties and Gurus.
8. The institution always encourages innovative & creative programmes.
9. In order to achieve different co-curricular objectives the children are frequently taken to different educational trips.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

१०) पतंजलि गुरुकुलम् में अध्यापकों की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाता है। प्रशिक्षित, उच्च शिक्षा प्राप्त तथा अनुभवी शिक्षकों को शिक्षण कार्य हेतु नियुक्त किया जाता है। दयाभाव, कर्त्तव्य के प्रति समर्पण, शिष्टाचार, सहायभाव तथा आध्यात्मिकता में गहन निष्ठा-भाव की पूर्णापेक्षा पतंजलि गुरुकुलम् के अध्यापकों से की जाती है।

११) अध्यापकों के कौशल का विकास यहाँ एक सतत प्रक्रिया है, क्योंकि अध्यापक प्रांगण में ही निवास करते हैं, अतः अध्यापकों व विद्यार्थियों के मध्य परस्पर संवाद होता है। अध्यापक विद्यार्थियों को अत्यावश्यक शैक्षिक तथा भावनात्मक सहयोग प्रदान करते हैं, जिससे वे घर जैसा अनुभव कर सकें।

१२) एक मानव के अन्दर महामानव छिपा होता है। उसे उजागर करने के लिए श्रेष्ठ, दिव्य वातावरण अनिवार्य है, जो पतंजलि गुरुकुलम् के द्वारा प्रदान कराया जाता है। गुरुकुलम् में विद्यार्थियों के लिए सुन्दर, स्वच्छ एवं विशाल हवादार कक्षों का निर्माण किया गया है। परिसर वात्सल्य एवं ममतापूर्ण हो इसके लिये दीदीजी व भैयाजी के द्वारा बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाता है।

१३) पतंजलि गुरुकुलम् का सर्वश्रेष्ठ आकर्षण केन्द्र है प्राकृतिक-वैज्ञानिक नियमों के पूर्णतः अनुरूप एवं प्राचीन ऋषि-मुनियों के दिव्य ज्ञान से संचालित श्रेष्ठतम दिनचर्या जो विद्यार्थियों की वास्तविक सम्पत्तिरुप गुण-कर्म-स्वभाव-संस्कार का नित्यप्रति उत्कर्ष करने में अत्यन्त उपयोगी है।

१४) योग यज्ञ स्वाध्याय वेदपाठ-ध्यानोपासना-गायत्रीजप-त्राटक आदि अनेकानेक वैदिक विधियाँ जहाँ बालकों को पूर्णतः आन्तरिकरुपेण समर्थ बनाती हैं, वहीं उनके बाह्य विकास हेतु विविध भाषा-अभ्यास (संस्कृत/हिन्दी/ अंग्रेजी/स्पेनिश आदि), विविध शैक्षणिक प्रतियोगिताएँ एवं विविध क्रीड़ाएँ (कबड्डी, कुश्ती, खो-खो, शतरंज, दौड़, थ्रो बॉल, डोज-बॉल, वॉलीबॉल, फुट्बाल, मार्शल आर्टस, स्केटिंग आदि), विविध कलाएँ (कविता रचना, श्लोक निर्माण, योग-नृत्य, लोक-नृत्य, अभिनाट्य, वक्तृत्वकला) एवं कृषि, गौसेवा आदि गुरुकुलम् की दिनचर्या के अभिन्न अंग हैं।

१५) प्राचीन वैदिक शास्त्र परम्परा को पुनर्जीवित करने हेतु शास्त्र स्मरण प्रतियोगिताओं का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। जिसमें भाग लेकर विद्यार्थी प्रतिवर्ष 20 हजार से 1 लाख रुपये तक के पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं।

10. Great importance is attached to the quality of the staff at Patanjali Gurukulam. Trained, highly qualified and experienced teachers are appointed to impart education. Compassion, devotion to duties, good manners, helpfulness, dedication and strong belief in spirituality are some of the prerequisites of teachers at Patanjali Gurukulam.

11. Enhancement of teachers' skills is a constant process here. Since teachers live in the campus, open teacher-taught interaction sessions are held regularly. The teachers interact with the students to give them the much-needed academic and emotional support to make them feel at home.

12. Every person possesses hidden great personality traits and Patanjali Gurukulam provides the most suitable environment to nurture these latent traits. Huge, well ventilated and clean classrooms have been constructed for the students in the Patanjali Gurukulam. Didiji (sisters) and Bhaiyaji (brothers) are there to maintain motherly and affectionate ambience at Gurukulam.

13. The best and optimal daily routine derived and inspired from the divine ethics of ancient Rishi-Munis and natural-scientific principles make Patanjali Gurukulam unique and a point of attraction. These principles and ethics prove to be very effective and useful in bringing out good virtues-actions-etiquette constantly in the students which is their real asset.

14. Yoga, yagya, self-studies, studies of Vedas, meditation, chanting of Gayatri mantra, tratak and various Vedic activities make the students consciously strong. On the other hand teaching of multiple languages (English/Sanskrit/Hindi/Spanish etc.), various educational competition, sports activities (Kabaddi, wrestling, Kho-Kho, Chess, Race, Throw-Ball, Dodge-Ball, Volley-Ball, Football, Martial arts, Skating etc.), various arts activities (poetry, verses shlokas making, yog-dance, folk-dance, theatre, oratory/ anchoring, drawing), agriculture, Gausewa (to serve the cows) etc. have been integrally incorporated to strengthen the overall personality of the students.

15. To revive our ancient Vedic tradition, competitions of remembrance of Vedic scriptures & literature are held annually in which students can participate and may get the award of Rs. 20,000 to 1 Lakh.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

सामान्य नियम / General Ethics

१. सभी विद्यार्थियों को विद्यालय के अनुशासन, शालीनता तथा शिष्टाचार का पालन करना होगा। अभिभावकों या विद्यार्थी द्वारा किसी भी प्रकार की उद्दण्डता, नियमों का उल्लंघन, अवज्ञा या संस्था के प्रति अनिष्ठा होने पर इसे घोर अनुशासनहीनता माना जाएगा तथा ऐसा होने पर गुरुकुल प्रबंधन को यह अधिकार होगा कि विद्यार्थी को दण्डित अथवा विद्यालय से निष्कासित कर सकें।

२. गुरुकुल की सम्पत्ति को किसी भी प्रकार का नुकसान पहुँचाने पर उसकी क्षतिपूर्ति विद्यार्थी की इम्प्रेस्ट राशि से की जाएगी। जानबूझ कर पहुँचाए जाने वाले नुकसान हेतु अर्थदण्ड भी दिया जा सकता है।

३. गुरुकुल द्वारा छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जिसके लिए गुरुकुलम् परिसर में ही प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा सहित एक "आरोग्य कक्ष" बनाया गया है। जहां बालक को स्वास्थ्य सुधार व विश्राम हेतु उपयुक्त औषध व देख-भाल की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्ति गुरुकुलम् हेतु एक ऐम्बुलेंस/अन्य वाहन भी 24X7 उपलब्ध रहती है। जिससे किसी भी आपात स्थिति में शीघ्रतापूर्वक छात्रों को उपयुक्त चिकित्सा केन्द्र तक ले जा सकें। हालांकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना हेतु गुरुकुल प्रबंधन कानूनी या अन्य किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

४. गुरुकुल में प्रवेश लेते समय अभिभावकों द्वारा दी गई किसी भी सूचना अथवा तथ्यों में भविष्य में यदि कोई भी त्रुटि पाई जाती है या यह पाया जाता है कि कोई तथ्य छिपाया गया या गलत रूप में प्रस्तुत किया गया है तो इसके परिणामस्वरूप गुरुकुल प्रबंधन को यह अधिकार होगा कि विद्यार्थी को गुरुकुल से निष्कासित अथवा दण्डित कर सकें।

५. विद्यार्थी को छात्रावास में मोबाइल अथवा कोई भी अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, नकद राशि या आभूषण रखने की अनुमति नहीं है। यदि किसी विद्यार्थी के पास से ऐसा कोई भी सामान मिलता है तो उसे जब्त कर लिया जाएगा व विद्यार्थी या अभिभावक किसी को भी वापस नहीं दिया जाएगा तथा विद्यार्थी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही भी की जाएगी। अभिभावकों से अनुरोध है कि बच्चे को किसी भी प्रकार का कीमती जेवर इत्यादि न दें। ऐसी किसी भी वस्तु के खो जाने पर गुरुकुल प्रबंधन उत्तरदायी नहीं होगा।

६. अभिभावक बच्चों को अलग से खाने-पीने की कोई भी वस्तु न देवें, अगर ऐसी कोई भी वस्तु विद्यार्थियों के पास से प्राप्त होगी तो उसका सामूहिक वितरण करा दिया जायेगा। कभी किसी अवसर विशेष पर सामूहिक प्रसाद रूप से यदि कुछ देय है तो तदर्थ कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

७. अभिभावकों से अनुरोध है कि गुरुकुल के किसी भी कर्मचारी को कोई भी उपहार या नगदराशि इत्यादि न दें। यदि कोई भी ऐसी घटना गुरुकुल प्रशासन के संज्ञान में आती है तो विद्यार्थी, अभिभावक व कर्मचारी दोनों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

1. All the students are required to strictly abide by all the rules and regulations, modesty and moral ethics of the institution. Disobedience, violation of rules and disbelief against the institution shall be deemed as severe indiscipline. In such case the school management reserves the right to punish or dismiss the student.

2. The damage caused by the student to the property of the institution shall be redeemed or compensated from the imprest account of the student. Wilful destruction and damage to the property of the school shall attract fine.

3. Gurukulam will take complete care of the physical health of the students. For this, One 'Arogyam Room' with first aid facility is operational in the Gurukulam premises itself. Where the child is provided with appropriate medicines and care for health improvement, rest and recovery. Apart from this, an Ambulance/Other Vehicle is also available 24X7 for Gurukulam. So that in any emergency, the student(s) can be taken to the appropriate medical center quickly. However, the Gurukulam management will not be responsible for any kind of unfortunate happenings (incidents), legally or in any other way.

4. The management reserves the right to dismiss and punish the students in case any discrepancy is found in the documents submitted by the parents at the time of admission or the same kind of action shall be taken for hiding or falsification of any information in the documents.

5. The students are not allowed to use or keep mobile phone, any sort of electronic gadgets, money in cash and jewelry. Any sort of such stuff shall be immediately confiscated if found in the possession of the student and shall not be returned to parents. Doing so may also entail disciplinary action against the student. Therefore, the parents are requested not to provide any expensive jewelry etc. to their child. The school management shall not be responsible for the loss of such stuff.

6. Parents shall not provide any food stuff additionally to their children. If it is found, the provided eatables shall be distributed. On special and particular occasion, if the parents want, they may distribute food stuff among all in common. For this, they must contact and inform the concerned office.

7. Parents are also requested not to give any gift or cash to the employees of the institution. If such case comes in the knowledge of the school administration, disciplinary action shall be taken against the student, parent and the employee.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

८. अभिभावक बच्चों को खेल-कूद का कुछ सामान जैसे साईकिल, बैडमिंटन, फुटबॉल आदि कार्यालय से अनुमति लेकर उपलब्ध करा सकते हैं। किन्तु उन उपकरणों का प्रयोग सामूहिक ही होगा एवं उनकी टूट-फूट या रख-रखाव हेतु गुरुकुल प्रबन्धन किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है।

९. अभिभावकों के पते अथवा मोबाइल/फोन नंबर में अगर किसी भी प्रकार का बदलाव हो तो तुरन्त गुरुकुल प्रबन्धन को लिखित रूप से अवगत कराना होगा।

१०. समय-समय पर महत्त्वपूर्ण सूचनाएं अभिभावकों को SMS, E-mail या Whatsapp द्वारा भेजी जाएंगी। अतः कृपया अभिभावक इसका ध्यान रखें।

११. अभिभावकों (माता-पिता दोनों) का प्रवेश के समय एवं प्रत्येक अभिभावक-शिक्षक सभा में उपस्थिति अनिवार्य है।

१२. यदि कोई विद्यार्थी आन्तरिकी परीक्षा में नकल अथवा अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए पाया जाता है तो उसे उस परीक्षा में शून्य अंक दिए जाएंगे। और यदि वार्षिकी, अर्धवार्षिकी परीक्षा में ऐसा करता हुआ पाया जाता है तो उसे सभी विषयों में शून्य अंक दिए जाएंगे।

१३. स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र हेतु 15 दिन पहले लिखित आवेदन दिया जाना आवश्यक है।

१४. अभिभावकों का शिक्षण कक्ष अथवा छात्रावास कक्ष में प्राचार्य महोदय की अनुमति के बिना प्रवेश करना निषिद्ध है।

१५. बालिकाओं के गुरुकुल (कक्षा 6 एवं उससे ऊपर) की 2 शाखाएं हैं। किस बालिका का चयन किस शाखा में किया जाएगा यह पूर्णतः गुरुकुल प्रबन्धन के विवेक पर निर्भर है। इसमें अभिभावकगण अपना कोई आग्रह न रखें।

१६. बच्चों से मिलने अथवा संस्था के किसी कार्यक्रम में भाग लेने आए अभिभावकों को सभी व्यवस्थायें (आवास, भोजन आदि) स्वयं करनी होंगी।

१७. आवश्यकता आने पर विद्यार्थी 2 माह में एक बार 10 मिनट तक अपने घर पर फोन से बात कर सकते हैं।

१८. अवकाश एवं विद्यार्थी-अभिभावक मिलने हेतु व्यवस्था-

i) बालक के जन्मदिवस पर आकर यज्ञ में सम्मिलित हो सकते हैं एवं उस दिन 2 घण्टा बालक/बालिकाओं से मिल सकते हैं।

ii) माता-पिता अपने बच्चों से एक वर्ष में अधिकतम 3 बार (1 बार जन्मदिन पर और अतिरिक्त 2 बार) मिल सकते हैं। जन्मदिन से अतिरिक्त माता-पिता किसी भी महीने के अंतिम रविवार को मध्याह्न 2:00 से शाम 5:00 बजे तक छात्र से मिल सकते हैं।

iii) प्रत्येक वर्ष दीपावली के अवसर पर 15 दिन का अवकाश प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अवकाश हेतु अभिभावक आग्रह न रखें।

8. With the permission from the concerned office, parents may provide some sports items or equipments to their child such as bicycle, badminton, football etc. but these equipments shall be used commonly by all. Expenses on their wear & tear shall also be incurred by the parents themselves; management shall not be responsible for it in any way.

9. Parents shall inform the school management immediately in black and white if they have changed their address or contact number/s etc.

10. Parents must pay attention to all the important information delivered to them from time to time via SMS, E-mail and Whatsapp.

11. Parents (both mother and father) are mandatorily required to attend all the parent-teacher meets.

12. Zero marks shall be awarded in case any student is found using any unfair means during the internal exams. If he or she is found doing so in the half yearly or final exams, he/she shall get zero marks in all the subjects.

13. It is necessary to submit written application for transfer certificate 15 days in advance.

14. Parents' entry in the hostel and classroom is strictly prohibited without the permission of Principal.

15. There are two branches of the girls Gurukul (for class 6th & above). The right of selection of girls for any Gurukul remains with the Gurukul management only. Parents shall not make any request.

16. Parents visiting the students or attending any programme of the school shall make arrangement of their food & lodging on their own.

17. If required the students are allowed to talk to their parents over phone once in two-months for 10 minutes.

18. Guidelines for leaves and parents visit is as below:

i) Parent may meet their child on his/her birthday and join the Yagya held for his/her birthday. Parents may meet their child only for two hours.

ii) Parents can meet their children maximum 3 times a year (once on birthday & two times more). Other than birthday, parents can visit the student on the last Sunday of any month from 2:00 to 5:00 PM.

iii) Every year on the occasion of Deepawali, 15 days holiday will be provided. Apart from this, parents should not insist for leave.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

१९. माता-पिता अपने अतिरिक्त अधिकतम तीन व्यक्तियों को विद्यार्थी से मिलने या ले जाने हेतु फोटो व हस्ताक्षर के साथ अनुमोदित करके अधिकृत कर सकते हैं। इन अधिकृत व्यक्तियों के अतिरिक्त किसी अन्य को विद्यार्थी से मिलने अथवा ले जाने की अनुमति नहीं होगी। अपरिहार्य स्थितियों में माता-पिता द्वारा दिए गए आवेदन पर विचार किया जा सकता है।

२०. अभिभावकों का सहयोग सदैव महत्त्वपूर्ण है। अध्यापकों तथा अभिभावकों के मध्य परस्पर समझ, बालक के व्यापक व समग्र विकास हेतु अत्यावश्यक है। शोधकर्त्ताओं द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि बालक/बालिकाओं का प्रदर्शन बहुत हद तक अभिभावकों के गुरुकुल से जुड़ाव पर निर्भर करता है।

२१. अग्रिम वर्ष में प्रवेश- पिछले वर्ष के शैक्षिक एवं व्यावहारिक प्रदर्शन पर निर्भर करेगा। गुरुकुल प्रबंधन द्वारा समय-समय पर लागू किए जाने वाले नियम सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकगणों को मानने होंगे।

२२. विद्यार्थी का सर्वाङ्गीण विकास हमारा प्राथमिक उद्देश्य है। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु यहाँ विद्यार्थियों को सिखाया जाता है कि किस प्रकार वे योग व आयुर्वेद तथा सात्त्विक व पौष्टिक आहार पर आधारित स्वदेशी जीवन पद्धति का अनुसरण करें। स्वाभाविक रूप से हम चाहते हैं कि अभिभावकों का रुझान भी इस विषय की ओर हो।

२३. शैक्षणिक स्तर के बीच में कक्षा प्रोन्नति/बदलाव या अगले वर्ष में एक कक्षा का अन्तर रखकर आगे की कक्षा में प्रवेश देने वाले आवेदन किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगें।

19. Apart from themselves, parents can authorize a maximum of three persons by approving them with photos and signatures to meet or take the students. Apart from these authorized persons, no one else will be allowed to meet or take the student. However, in unavoidable circumstances, the application given by the parents can be considered.

20. Cooperation from parents is always important for us. Mutual understanding between teachers and parents is very significant for the all-round development of a child. Researchers have proved that the performance of a student depends on the mutual coordination, contact and understanding between parents and teachers.

21. Entry or promotion to the next academic session shall be based on the previous scholastic performance and behaviour. Parents and students are required to follow all the rules and regulations issued by the management from time to time.

22. Our primary objective is the all-round development of the students. To achieve this objective, students are taught here how to lead a balanced 'Swadeshi' life style based on Yoga, Ayurveda and "Sattvik' & nutritious food. We want that the parents should also be inclined towards this matter.

23. Applications for promotion/change of class in the middle of the academic session or for admission in the next class with a gap of one class in the next year, will not be acceptabed under any circumstances.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

अभिभावकगण द्वारा विशेषत: ध्येय

१. माता-पिता का पूर्ण सात्त्विक होना, श्रद्धेय स्वामी जी व उनके दिव्य भव्य आध्यात्मिक भारत आध्यात्मिक विश्व के संकल्प हेतु दिव्य मानव निर्माण योजना से पूर्णत: सहमत होना आवश्यक है।

२. इस दिव्य मानव निर्माण योजना या ऋषि-ऋषिकाओं के प्रामाणिक उत्तराधिकारी बनाने की प्रक्रिया में माता-पिता व अभिभावकों की पूर्ण निष्ठा, सहमति व बिना शर्त का समर्पण होना चाहिए।

३. ३ से ५ भाषाओं का बोध, ब्रेन की डिवाइन प्रोग्रैमिंग, १००% दिव्यता या पूर्ण सात्त्विकता में जीने का अभ्यास। आहार, विचार, वाणी, व्यवहार व स्वभाव के स्तर पर पूर्ण पवित्रता या आध्यात्मिकता। "मेरा जन्म केवल मात्र वेदधर्म व राष्ट्रधर्म के लिए जीने, इसके लिए सर्वस्व अर्पित करने एवं अन्तत: इसी के लिए मरना भी पड़े तो मुझे स्वीकार्य है।" ये भाव बच्चों व उनके माता-पिता व अन्यों अभिभावकों में भरना—यह पतंजलि गुरुकुलम् का ध्येय है। इसके अतिरिक्त जिन माता-पिता का अपने सन्तानों को लेकर अन्य ध्येय है, अन्य करियर के बारे में सोचते हों वे इस मार्ग पर न आयें; क्योंकि संसार के अन्य मार्ग पर चलने वाली एक बहुत बड़ी भीड़ है। वे ऐसे सपनों के लिए अन्य संस्थानों को चुन सकते हैं।

४. माता-पिता बच्चों से कोई भी व्यक्तिगत अपेक्षा न रखें जैसे प्राचीन काल में राजवंश में पैदा हुआ व्यक्ति बचपन से प्रतिपल यही सोचता था कि तेरा जन्म राज करने, अपने साम्राज्य का न्याय पूर्ण विस्तार करने या राजधर्म के लिए हुआ है, उसको वैसा ही १००% वातावरण व प्रशिक्षण दिया जाता था तथा वैसे ही उसके प्रशिक्षक होते थे, जो उसके मन, प्राण, आत्मा यहाँ तक कि

For Special Attention of Parents

1. Parents are required to be fully virtuous and genuinely showing faith in the resolution of Revered Swami ji to prepare divine human beings for spiritual Bharat and the enlightened world.

2. This is a gigantic holy task taken up by Pujya Swamiji for making Rishis & Rishikas to lead the society. This goal can not be achieved without the cooperation & unconditional faith of parents in Pujya Swamiji.

3. Patanjali Gurukulam mainly aims at developing multilingual skills, divine programming of the brain, saintly purity, practice of spiritual life style pertaining to diet, thoughts, speech, behaviour & conduct and stresses that every student here lives a life according to the Vedic-Rishi tradition. *'I am born only for the sake of nationalism and the Vedic religion & culture; I'll dedicate, devote and sacrifice my whole life for the welfare of my country and the Vedic tradition.'*—such kind of strong sense of utmost patriotism and devotion to Maa Bharati is also instilled into them. We also expect that parents also must hold the same emotions and devotion to Bharat Maa. We request those parents to take out their children from our institution who wish their children to choose the money-making career only. They can choose other institutions for such dreams.

4. Parents must not impose individual desire upon their children. We have mainly derived our teachings from ancient Vedic teachings in which the children of Royal families were to believe that they were born to rule their empire with justice and execute their moral duties. We also teach our children that their basic aim is to serve this

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

अवचेतन मन में भी यह भाव गहरा बैठा देते थे। वैसे ही इन बच्चों को हम ये विचार एवं संस्कार देने वाले हैं कि तुम्हारा जन्म ऋषिधर्म, वेदधर्म, राष्ट्रधर्म व सेवाधर्म के लिए ही हुआ है।

५. ये बच्चे बड़े होकर चाहे साधु संन्यासी बने या कोई बड़े अधिकारी बनें चाहे किसी भी क्षेत्र में एक बड़ा दिव्य नेतृत्व करें, माता-पिता अपनी अपेक्षा इच्छा या कामना उन पर न थोपें और लगभग २० से २५ वर्ष तक उनके जीवन में कोई हस्तक्षेप न करें। अर्थात् भौतिक जन्म आपने दिया तथा सामान्य उत्तरदायित्व भी आपका है परन्तु उनके दिव्यजन्म को गुरुकुल में पूर्ण समर्पण से सम्पन्न होने दें।

६. **बच्चों को बचपन से ही (लेकर कक्षा-१० तक) विविध भाषा, विविध विषय के शिक्षा का पाठ्यक्रम, शिक्षा संस्कार, विविध कुशलताएं एवं श्रेष्ठ जीवन का अभ्यास, सब प्रकार की यथोचित तपस्या, यम-नियमों का पालन हम करायेंगे।**

इसमें माता-पिता की किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। १०वीं कक्षा के बाद उनको विशेष रूप से संस्कृत व वेदादिशास्त्रों में ही निष्णात बनायेंगे।

७. आप मात्र जन्मदाता हैं। उनका आगे के जीवन का पूरा अधिकार परम श्रद्धेय स्वामी जी, पूज्य आचार्य जी व अन्य श्रेष्ठ गुरुजनों के हाथों में पूर्ण श्रद्धा, निष्ठा व समर्पण से सौंपना होगा।

कोई विशेष अवकाश नहीं, कोई अपेक्षा नहीं, कोई हस्तक्षेप नहीं, कोई आपत्ति नहीं गुरुकुल के नियमों मर्यादाओं एवं जीवन पद्धति पर शिक्षा पूर्ण होने तक ये नियम अनिवार्य होंगे।

८. हम ये मानते हैं कि मनुष्य के निर्माण के पांच मूलभूत साधन हैं प्रारब्ध, पुरुषार्थ, वातावरण, प्रशिक्षण व प्रशिक्षक। सब बातों के साथ वातावरण का भी व्यक्ति पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। हम बच्चों को श्रेष्ठ दिव्य मानव बनाना चाहते हैं लेकिन घर, परिवार, समाज व वैश्विक तकनीकी के दुरुपयोग व बुरे वातावरण से बच्चे तुरन्त प्रभावित होते हैं। बुरी बातों में सबसे बुरी बात यह है कि उनका प्रभाव, आदत व बुरा संस्कार तुरन्त पड़ता है तथा दीर्घकाल तक रहता है और उससे बाहर निकलने

motherland with selfless devotion and live an ascetic life.

5. Parents must never impose their individual desires on their children.

   They are urged not to interfere in their life till the age of 24 or 25. Let them be what they want to be whether ascetic, spiritual pioneer, beauraucrats or whatsoever. Let them choose their career on their own. You must completely let your children grow into divine and spiritual souls at Patanjali Gurukulam though you have given them physical birth and have their general responsibility.

6. Since childhood (up to Class 10th), we will teach and make children follow various languages, curriculum of various subjects, educational values, various skills and practice of the best life, all types of appropriate austerity and Yama-Niyama. Parents should not have any objection to this. After class 10th they will be made experts in Sanskrit and Vedic Scriptures.

7. You are just biological parents, with such sense and unconditional devotion; parents must leave their children in the very safe hands of Param Pujya Swamiji, Shraddheya Acharyaji and our qualified and experienced teachers, facilitators and resource persons.

   No special leaves, no expectations, no interference, no objection- these rules will be mandatory till the completion of education based on the Gurukulam way of life and its rules and regulations.

8. We believe that five elements - Destiny (fruit of the Karmas pertaining to previous births), Indomitable perseverance, Ambience of the surroundings, Training and Teachers significantly play a vital role in the formation of a human being. We aim to develop our students into good human beings but family, society and excessive use of global technology may cause distraction and influence our students instantly. The worst thing regarding bad habits is that they grip us very quickly

के लिए अथवा इस दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए अनावश्यक अनुत्पादक नकारात्मक बहुत अधिक पुरुषार्थ करना पड़ता है। इससे बेहतर है कि हम ऐसा अवसर ही न दें कि एक बार भी अभिभावक या विद्यार्थी इस तामसिक व राजसिक अशुभ वातावरण के सम्पर्क में आएं। विद्यार्थी काल में अशुभ संस्कारों के निरस्त होने से बाद में अशुभ निष्प्रभावी हो जाता है।

९. पतंजलि गुरुकुलम् के स्वच्छ, सुंदर व दिव्य परिवेश में रहते हुए आपके बालक मोबाइल, इंटरनेट एवं टीवी स्क्रीन के विषैले प्रभाव से सर्वथा दूर रहेगें। उनकी ऊर्जा, शक्ति व चिंतन का स्तर अन्य बालकों से उच्च व सात्त्विक होगा। प्रतिफलस्वरूप शुभ संकल्प एवं गुरु आज्ञा में दीक्षित ऐसे बालकों का निर्माण निश्चित ही अन्यों से श्रेष्ठ होगा।

१०. जैसे एक फाइटर पॉयलेट, डॉक्टर या इंजीनियर आदि को बनाने में बहुत संसाधन व अर्थ लगता है, वैसे ही इस कार्य में संस्था का बहुत कुछ दांव पर लगता है तथा संस्था के प्रमुख परम पूज्य श्रद्धेय श्री स्वामी जी सहित संस्था की श्रेष्ठ प्रतिभाओं का पूरा जीवन इस कार्य में लगा हुआ है, यह विद्याकार्य पतंजलि संस्था के आत्मा के स्थान पर है। इन मूलभूत निर्देशों को माता-पिता भली-भाँति जानकर एवं समझकर ही अपने बालकों का गुरुकुलम् में प्रवेश करायें।

११. भारत में २०-२५ वर्षों के बाद सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक आदि सभी क्षेत्रों में एक बहुत बड़ा दिव्य आध्यात्मिक नेतृत्व पतंजलि योगपीठ से शिक्षा-दीक्षा-संस्कार पाने वाले युवक युवतियाँ करेंगे। हम २०५० तक के महाशक्ति सम्पन्न भारत एवं भारत की ५०० वर्षों की आधारशिला गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, विश्वविद्यालय एवं भारतीय शिक्षा बोर्ड के माध्यम से तैयार करेंगे।

विशेष: संस्था के नियमों में समयानुसार-आवश्यकतानुसार परिवर्तन सम्भव है। जो सभी अभिभावक गणों एवं विद्यार्थियों को मान्य होगा।

and last for long time. Getting out of bad habits or to mitigate its influence takes lot of unproductive efforts and time. It is better to proactively stay away from such inauspicious toxic environment. In student life, such immoral and bad attributes can easily be eliminated permanently.

9. Living in the clean, beautiful and divine environment of Patanjali Gurukulam, your children will remain completely away from the toxic effects of mobile, internet and TV screens. Their energy, power and level of thinking will be higher and 'Sattvik' than others. As a result, development of such children nurtured in good thoughts and living in "Guru Aagya" will definitely be better than others.

10. As it takes lot of resources and expenses in preparing a doctor, engineer and jet pilot, in the same way, the management of Patanjali Gurukulam also spends lot of money in preparing a student. Apart from this the life of Pujya Swamiji and other talented faculties is also engaged in this spiritual task. Parents must properly take note of all these points before admitting their children in the Patanjali Gurukulam.

11. In the next 20 to 25 years, a great divine, spiritual leadership (in the areas like social, economic, political and religious fields) will be provided by our students who have received education and values from Patanjali Gurukulam. We will prepare the foundation of a new Super Power "Bharat" (for the next 500 years) by 2050 through Gurukulam, Acharyakulam, University and Bhartiya Shiksha Board.

Note: Changes are possible in the rules of the organization as per the need and time, which shall be acceptable to all parents/guardians and students.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए राशि विवरण/ Fee Particulars for Academic Session 2025-26

क्रम (Sr.)	विवरण (Particulars)	वास्तविक व्यय (Actual Amount in Rs.)	प्री-नर्सरी से 12 तक देय सहयोग राशि (Contribution Amt. in Rs.)	शेष वास्तविक राशि (Balance Acutal Amt. in Rs.)
1	**प्रवेश शुल्क** (Admission Fee)	20,000	10,000	10,000
2	**शैक्षणिक शुल्क** (Tution Fee)	38,000	Free	38,000
3	**भोजन+आवास** (Hostel + Mess)	1,35,000	1,00,000	35,000
4	**पुस्तकालय** (Library)	720	Free	720
5	**संगणक** (Computer)	1440	Free	1440
6	**बेसिक चिकित्सा व्यवस्था** (Basic Medical Facility)	3600	Free	3600
7	**बेसिक संगीत व अन्य गतिविधियाँ** (Basic Music + Other Activities)	10,000	Free	10,000
8	**बेसिक खेल-कूद** (Basic Games), **योग** (Yoga)+ Event Management	10,000	Free	10,000
9	**सुरक्षा** (Security)	10,000	5,000	5,000
10	**विद्यार्थी व्यय** (Imprest)	25,000	21,000	4,000
	Total Amount	2,53,760.00	1,36,000.00	1,17,760.00

वास्तविक शिक्षा सहयोग राशि हेतु	दिनांक	(नए विद्यार्थी) कक्षा प्री-नर्सरी से 12	(पुराने विद्यार्थी) कक्षा प्री-नर्सरी से 12
1. प्रथम किश्त	1-10 अप्रैल	1,53,760	1,25,000+IMP
2. द्वितीय किश्त	1-10 अक्टूबर	1,00,000+IMP	73,760+IMP

प्रतीकात्मक (न्यूनतम) शिक्षा सहयोग राशि हेतु	दिनांक	(नए विद्यार्थी) कक्षा प्री-नर्सरी से 12	(पुराने विद्यार्थी) कक्षा प्री-नर्सरी से 12
1. प्रथम किश्त	1-10 अप्रैल	86,000	60,000+IMP
2. द्वितीय किश्त	1-10 अक्टूबर	50,000+IMP	40,000+IMP
1. प्रथम किश्त 25% आरक्षित राशि लाभ	1-10 अप्रैल	86,000	50,000 +IMP
2. द्वितीय किश्त 25% आरक्षित राशि लाभ	1-10 अक्टूबर	25,000+IMP	25,000+IMP
1. प्रथम किश्त 50% आरक्षित राशि लाभ	1-10 अप्रैल	66,000	30,000 +IMP
2. द्वितीय किश्त 50% आरक्षित राशि लाभ	1-10 अक्टूबर	20,000+IMP	20,000+IMP
1. प्रथम किश्त 70% आरक्षित राशि लाभ	1-10 अप्रैल	56,000	20,000 +IMP
2. द्वितीय किश्त 70% आरक्षित राशि लाभ	1-10 अक्टूबर	10,000+IMP	10,000+IMP

- कक्षा १ से १२ तक विशेष प्रदर्शन करने पर केवल प्रतीकात्मक (न्यूनतम) शिक्षा सहयोग राशि वाले विद्यार्थी भोजन व आवास शुल्क में निम्नांकित आरक्षित राशि लाभ प्राप्त कर सकते हैं-
- Students under Symbolic (Minimum) Contribution Amount can get the following Reserved Amount Benefits in lodging and boarding fees on special performance from class 1 to 12.

छात्र योग्यता (Student Eligibility)				आरक्षित राशि लाभ Reserved Amount Benefits
शैक्षिक Academic	अनुशासन Discipline	कौशल Skill	शास्त्र स्मरण Shastra Smaran	
90%+	95%	60%	75%	70% = 70,000/-
80%+	95%	60%	75%	50% = 50,000/-
70%+	95%	60%	75%	25% = 25,000/-

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

विशेष ध्यातव्य

१. पतंजलि गुरुकुलम् में शिक्षा सहयोग राशि हेतु निम्नांकित दो विकल्प उपलब्ध हैं। उनके नियमों को भली-भांति समझकर रजिस्ट्रेशन फॉर्म में अपने लिए उपयुक्त विकल्प का चयन करें।

(i)

वास्तविक शिक्षा सहयोग राशि
रू० 2,53,760/- प्रति वर्ष

(ii)

प्रतीकात्मक (न्यूनतम) शिक्षा सहयोग राशि
रू० 1,36,000/- प्रति वर्ष - आरक्षित राशि लाभ

२. पतंजलि गुरुकुलम् प्रमुखतः वैदिक शिक्षा प्रणाली के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु समर्पित संस्थान है। इसी उद्देश्य की सम्पूर्ति (अर्थात् वैदिक शिक्षा के सम्पोषण, प्रवर्धन व प्रोत्साहन) हेतु संस्थान द्वारा इस शिक्षा विधा में प्रविष्ट होने वाले विद्यार्थियों के लिए विशेषरूपेण प्रतीकात्मक सहयोग राशि (अर्थात् न्यूनतम शिक्षा सहयोग राशि = वास्तविक व्यय - शेष वास्तविक राशि - आरक्षित राशि लाभ) के आधार पर अध्ययन, भोजन एवं आवास आदि समस्त गुरुकुलीय सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।

कृपया विशेष ध्यान देवें कि प्रत्येक छात्र पर होने वाला वास्तविक वार्षिक व्यय 2,53,760/- रुपये ही है। किन्तु जो अभिभावक परम पूज्य श्री स्वामी जी महाराज के दिव्य चिंतन एवं राष्ट्रसेवायज्ञ योजना में पूर्ण विश्वास रखते हुए अपने बालकों को इसी उद्देश्य के लिए समर्पित करके **उनका सम्पूर्ण अध्ययन (स्नातक, परास्नातक आदि) एवं सेवा कार्यों में उनकी संलग्नता गुरुकुलम् की व्यवस्था अनुसार** कराने के लिए कृतसंकल्प हैं एवं करायेंगे, केवल उन्हीं के लिए यह (प्रतीकात्मक न्यूनतम सहयोग राशि वाली) विशेष व्यवस्था है। जिसके अनुसार ऐसे निष्ठावान् बालकों का सम्पूर्ण शेष वास्तविक शुल्क व आरक्षित राशि लाभ शिक्षा पूर्ण होने पर व स्वामी जी महाराज द्वारा निर्देशित सेवा में नियुक्त होने पर पतंजलि संस्थान द्वारा वहन किया जायेगा।

अन्यथा की स्थिति में शेष वास्तविक शुल्क एवं आरक्षित राशि लाभ (सभी विगत वर्षों का कुल योग) एक देय राशि है। जिसे अभिभावक/संरक्षक को बालक के शिक्षण काल के मध्य में (किसी भी कारण से) गुरुकुलम् से ले जाने की स्थिति में भुगतान करना ही होगा। सम्पूर्ण देय राशि का भुगतान न करने की स्थिति में कोई भी प्रमाण-पत्र जारी नहीं किये जा सकेंगे।

To be Specially Noticed

1. There are Two options for fee payment in Patanjali Gurukulam. Please choose the suitable option for your ward in registration form after proper reading and understanding the rules & regulations.

(i)

Actual Full Contribution Amount
Rs. 2,53,760/- per annum

(ii)

Symbolic (Minimum) Contribution Amount
Rs. 1,36,000/- per annum - Reserved Amount Benefit

2. Patanjali Gurukulam is primarily an institute dedicated to the preservation and promotion of Vedic Education System. To fulfil this objective (i.e. promotion and encouragement of Vedic Education), the institute is providing all the facilities like study, food and accommodation etc. on the basis of a special Symbolic (Minimum) Contribution Amount (i.e. Actual Expenditure – Remaining Actual Amount – Reserved Amount Benefit) for the students entering this education system.

This must be specially noticed that the actual annual expenditure on each student is Rs. 2,53,760/-per annum. But for those parents who have full faith in the divine thinking and "Rashtra Seva Yajna" mission of Param Pujya Shri Swami Ji Maharaj, and, are determined to **dedicate their ward(s) to this cause and get them complete their studies (graduation, postgraduation etc.) and engage them in the service's work as per the Gurukulam system** and will get it done, this is a special arrangement for them only. According to which the entire Remaining Actual Amount and Reserved Amount Benefit of such loyal & dedicated students will be borne by Patanjali on completion of education and on getting appointed in the service directed by Swami Ji Maharaj.

In other cases, the Remaining Actual Amount and the Reserved Amount Benefit (total of all the previous years) is a payable amount. This amount will have to be paid by the parents/guardian in case the child is taken away from Gurukulam in the middle of his/her education period (for any reason). In case of non-payment of the entire due amount, no certificates will be issued.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

३. यदि कोई अभिभावक इस प्रकार के पूर्णकालिक समर्पण हेतु (अर्थात् बालकों की सम्पूर्ण शिक्षा-दीक्षा एवं सेवा कार्यों में सहभागिता परम पूज्य श्री स्वामी महाराज की आज्ञानुसार व संकल्पानुसार हो) इसके लिए अभी तैयार नहीं हैं, किन्तु अपने बालकों को पतंजलि गुरुकुलम् के सात्त्विक परिवेश में ही शिक्षित-दीक्षित कराने हेतु आपका आग्रह है, और आप आगे चलकर उनके अध्ययन, कॅरियर चयन आदि विषयों में बालकों की इच्छानुसार अथवा अपना स्वातन्त्र्यपूर्वक निर्णय लेना चाहते हैं, तो कृपया प्रारम्भ से ही रजिस्ट्रेशन फॉर्म में उपयुक्त विकल्प का चयन करके गुरुकुलम् के सम्पूर्ण वास्तविक व्यय (2,53,760/- रुपये) का निर्वहन करें।

४. आप सभी अभिभावकों के सौविध्य को ध्यान में रखते हुए गुरुकुलम् शिक्षा सहयोग से सम्बद्ध व्यवस्थाओं व नियमों के विषय में स्पष्टता से विस्तारपूर्वक विवरण प्रस्तुत किया गया है। कृपया पूर्णरूपेण सहमति होने पर अपने हेतु उपयुक्त विकल्प का ही चयन करें और इन व्यवस्थाओं व नियमों का पूर्णरूपेण पालन करने हेतु सन्नद्ध रहें। सभी अभिभावकों से अनुरोध है कि प्रत्येक संस्थान का एक विशिष्ट उद्देश्य होता है, एवं उस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु तदनुरूप नियम-मर्यादाएं-व्यवस्थाएं संस्थान द्वारा निर्धारित की जाती हैं, अतः किसी भी गुरुकुलीय व्यवस्था अथवा नियमों से असहमत होने पर कृपया अपने बालक का प्रवेश न कराएं, व्यर्थ वाद-विवाद में न पड़ें एवं गुरुकुल प्रबन्धन अथवा स्वयं के लिए असमञ्जसता की स्थिति उत्पन्न न करें।

ध्यातव्य

१. विद्यार्थी व्यय (Imprest) पूरे वर्ष भर न्यूनतम 7000 रु बनाए रखना आवश्यक है। इस हेतु अभिभावकों द्वारा प्रत्येक किश्त जमा कराते समय विद्यार्थी व्यय की अतिरिक्त राशि भी देय होगी।

२. उपर्युक्त प्रवेश शुल्क और सुरक्षा शुल्क केवल प्रथम वर्ष हेतु देय है। आगामी वर्षों में तदतिरिक्त व्यय व विद्यार्थी-व्यय (Imprest) देय होगा।

३. जो अभिभावक समय पर सहयोग राशि जमा नहीं करेंगे, उन्हें प्रति दिन का 100/- रुपये व 10 दिन के पश्चात् प्रति दिन का 500/- रुपये विलम्बित व्यय देय होगा। एक माह पश्चात् भी राशि का भुगतान न करने पर विद्यार्थी का प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।

3. If any parent is not ready for such full-time dedication (i.e. the entire education of the children and their participation in the service as per the direction of Pram Pujya Swami Ji Maharaj), but insists on getting your children educated in the 'Sattvik' environment of Patanjali Gurukulam only, and in future you want to take decisions regarding their studies, career selection, etc. as per your or your child's wishes or independently, then please bear the entire actual expenditure of Gurukulam (Rs 2,53,760/-) by selecting the appropriate option in the registration form right from the beginning.

4. Keeping in mind the convenience of all you parents, a detailed description has been presented about the rules and regulations related to Gurukulam Fee Structure. Please choose the appropriate option for yourself only after you fully agree and be ready to follow these rules and regulations completely. All parents are requested to note that each institution has a specific objective, and to achieve that objective, certain rules and regulations are setup by the institution. In case you disagree with any Gurukulam system, or rules & regulation of the Gurukulam, please do not enroll your child, do not get involved in useless arguments and do not create confusion for the Gurukulam management or yourself.

Note

1. It is necessary to maintain a minimum of Rs 7000/- in the imprest account of the students for the entire year. For this, the parents should also pay an additional amount for the student expenses while depositing each installment.
2. The above mentioned admission fee and security fee is payable only for the first year. In the coming years, rest of the fee and student expenses (Imprest) will be payable.
3. If the fee is not deposited by due date, late penalty of Rs. 100/- per day for the first 10 days and thereafter Rs. 500/- per day will be levied.

   In case of non payment of fee even after one month of due date, the student's admission will be cancelled.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

Contribution Structure

१. वार्षिक शिक्षा सहयोग राशि में सामान्य भोजन-आवास शुल्क एवं विद्यार्थी व्यय सम्मिलित है (प्रथम वर्ष में प्रवेश शुल्क तथा सुरक्षा शुल्क भी शामिल है)।

२. इम्प्रेस्ट : इस धनराशि का उपयोग बच्चों के केश कर्तन, कपड़े धुलाई, डाक-शुल्क, टेलीफोन शुल्क, कोई भी अतिरिक्त वस्तु देने, भ्रमण, दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, स्टेशनरी, पाठ्य-पुस्तक, क्षतिपूर्ति, अर्थदण्ड, व्यक्तिगत चिकित्सा खर्च इत्यादि हेतु किया जाता है। यह राशि पूरे वर्ष भर न्यूनतम रूप से 7000 रु बनाए रखना आवश्यक है। इस हेतु अभिभावकों द्वारा प्रत्येक किस्त जमा कराते समय विद्यार्थी व्यय की अतिरिक्त राशि भी देय होगी।

३. विद्यार्थी को स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक सभी प्रकार की देय राशि का भुगतान न कर दिया जाये।

४. किसी भी प्रकार का देय शेष होने की स्थिति में विद्यार्थी का परीक्षा परिणाम रोका जा सकता है तथा उसे अगली परीक्षा में बैठने से भी रोका जा सकता है।

५. जमा कराई गई कोई भी धनराशि (प्रवेश शुल्क, फीस, इम्प्रेस्ट) किसी भी परिस्थिति में लौटाने योग्य नहीं (Non-Refundable) है।

६. एक विद्यार्थी के विद्याध्ययन व उसके जीवन की समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु संस्था न्यूनतम लगभग 20 हजार रुपये प्रति विद्यार्थी प्रतिमाह खर्च करती है। वर्तमान में जो भी दान के रूप में आपसे शिक्षा सहयोग ले रहे हैं वह मात्र प्रतीकात्मक है। अतः यदि विद्याभ्यास पूरे हुए बिना (अर्थात् न्यूनतमरूपेण स्नातक/ग्रेजुएट, परा स्नातक/पोस्ट ग्रेजुएट हुए बिना) कोई अभिभावक (माता, पिता या सम्बन्धी) बच्चों को बीच में निकालते हैं अथवा विद्यार्थी जानबूझकर ऐसी परिस्थितियाँ पैदा करते या कराते हैं कि विद्यार्थी को निष्कासित करना पड़े तो संस्था ने विद्यार्थी पर जो संसाधन व्यय किये हैं, उसके अनुसार विगत सभी वर्षों की शेष वास्तविक राशि व आरक्षित राशि लाभ जमा कराकर ही कोई भी प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते हैं अन्यथा नहीं। नये व पुराने सभी विद्यार्थियों पर भी यही नियम लागू होगा।

1. General food and accommodation charges are included in annual contribution fee (In the very first year admission & security fee are aslo included).
2. **Imprest:** This fund is used for hair cutting, laundry, postal expenses, telephone, stationery, books, damage compensation, fine, personal health care, excursion and purchasing daily use commodities. The minimum corpus for the above expenses has to be maintained as low as Rs. 7000 throughout the year. To maintain the minimum level of imprest, parents may be asked to contribute annual charges in between the session.
3. The students shall not be given transfer certificate until he/she clears all the dues or obtains 'No dues' certificate from the school.
4. The result or progress report card of the students shall be held back in case any due remains pending or unclear.
5. Any deposited fee or amount shall not be refundable in any case.
6. The expenses incurred by the institution on lodging, boarding and studies of a student amounts to minimum of Rs. 20,000/- per month. At present whatever contribution is being received from parents is just symbolic. In case of withdrawal of/by the student from the studies in between (without finishing minimum level of graduation, post graduation programme) or deliberately such situations are created by the student or others for the withdrawal of the student then according to the resources spent by the institution on the student, you can get the education certificates only by depositing the total dues of balance Actual Amount and Reserved Amount Benefit of all the previous years, otherwise not. This rule will apply to all new and old students.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

Account Details

पतंजलि गुरुकुलम् (कन्या), पतंजलि योगपीठ, फेज़-2, हरिद्वार

Account Name	:	**Patanjali Gurukulam Haridwar**
A/C No.	:	**4871002100003101**
IFSC Code	:	**PUNB0487100**
Name of the Bank	:	**Punjab National Bank**
Bank Branch	:	**Bahadrabad, Patanjali Yogpeeth, Haridwar**

पतंजलि गुरुकुलम्, बालक वर्ग

Account Name	:	**Patanjali Gurukulam Yoggram**
A/C No.	:	**4871002100003110**
IFSC Code	:	**PUNB0487100**
Name of the Bank	:	**Punjab National Bank**
Bank Branch	:	**Bahadrabad, Patanjali Yogpeeth, Haridwar**

पतंजलि गुरुकुलम्, देवप्रयाग

Account Name	:	**Patanjali Gurukulam**
A/C No.	:	**4871000100121056**
IFSC Code	:	**PUNB0487100**
Name of the Bank	:	**Punjab National Bank**
Bank Branch	:	**Bahadrabad, Patanjali Yogpeeth, Haridwar**

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

विद्यार्थी द्वारा लाये जाने वाली वस्तुओं की सूची / List of Articles to be brought

क्र.सं.		संख्या
1.	कुर्ता (ऑरेंज), पजामा (सफेद) (कढ़ाई से नाम लिखा होना चाहिए)	4 जोड़े
2.	अण्डरगार्मेन्टस्	6 प्रत्येक
3.	ओढ़ने वाली चादर	2
4.	कम्बल	2
5.	तौलिये	2
6.	रुमाल	1 दर्जन
7.	सेफ्टी पिन	1 Pck
8.	काला हेयर-बैंड, पिन, क्लिप	1
9.	छाता या रेनकोट	1
10.	पानी की बोतल	1
11.	एयर-बैग छोटा (भ्रमण के लिए)	1
12.	टूथ-ब्रश और टंग-क्लीनर	2 प्रत्येक
13.	कंघी, जूं की कंघी	2

क्र.सं.		संख्या
14.	खेल के जूते	1 जोड़ी
15.	मौजे (जुराबें) (लाइट ब्राउन कलर)	4 जोड़ी
16.	चप्पलें	1 जोड़ी
17.	गर्म अन्तःवस्त्र (ग्रे कलर)	3
18.	नेल-कटर	1
19.	कपड़े धोने का ब्रश	1
20.	कपड़े सुखाने की क्लिप	1 दर्जन
21.	तेल, साबुन, शैम्पू, डिटर्जेंट आदि (सभी सामन पतंजलि का)	एक महीने हेतु
22.	ऊनी शॉल (मरुन रंग की)	1
23.	ताला चाबी	2 छोटे
24.	मच्छरदानी (फोल्डिंग वाली)	1
25.	परमानेन्ट मार्कर (मोटा एवं पतला)	1
26.	ग्लास और चम्मच	1

नोट : (सभी वस्तुओं पर विद्यार्थी का नाम व कक्षा लिखना अनिवार्य है)

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

अन्य निर्देश/Other Instructions

१. पतंजलि गुरुकुलम् एवं पतंजलि योगपीठ का मूल एवं महत्त्वपूर्ण सिद्धान्त "स्वदेशी" है। इसलिए सभी उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुएं भारतीय निर्माताओं द्वारा निर्मित होनी चाहिए।

२. उपरोक्त सभी वस्तुएं ताले वाले स्वदेशी ट्रेवल बैग में पैक करें।

३. उपरोक्त सभी सामानों की एक सूची बनाकर हॉस्टल वार्डन को देनी होगी।

४. मोबाइल, कैमरा, आइपॉड, टेबलेट, वॉकमैन और इस तरह का कोई भी इलैक्ट्रॉनिक सामान, इत्र, नेल पॉलिश, लिपस्टिक, लिप-ग्लॉस, सोन-चाँदी के महंगे आभूषण आदि वस्तुएँ लाने की अनुमति नहीं होगी।

५. ड्रेस कोड (वेशभूषा)– अभिभावकों से प्रार्थना है कि बच्चों को वस्त्र देते समय ध्यान रखें कि वस्त्र पारदर्शी एवं चुस्त (कसे हुए) न हों। पहनावा भारतीय परम्परा पर आधारित, आरामदायक व शोभनीय हो न कि फैशनेबल एवं दूसरों का ध्यान आकर्षित करने वाले, और ना ही अश्लील प्रिन्ट/सन्देश या चिह्न वाले या नशीले पदार्थ, तम्बाकू, शराब या हिंसा को विज्ञापित करने वाले हों। इस प्रकार की सभी पोशाकें प्रतिबन्धित हैं। बालिकाओं के लिए बिना बाजू की पारदर्शी एवं अन्य पाश्चात्त्य पोशाक पहनने की अनुमति नहीं होगी।

प्रवेश के समय लाए जाने वाले (प्रमाण-पत्रों) की सूची :

१. *स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (टी.सी)* : स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र की मूल प्रति जो कि सम्बन्धित बोर्ड अधिकारी या डी.ई.ओ. द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होनी चाहिए।

२. *जन्म प्रमाण-पत्र* : जन्म प्रमाण-पत्र की मूल प्रति सत्यापन करने के लिए और उसकी एक छायाप्रति जमा कराने के लिए।

३. *पूर्ववर्ती वर्ष के रिपोर्ट-कार्ड* : पूर्ववर्ती वर्ष के रिपोर्ट-कार्ड की मूल प्रति सत्यापन करने के लिए और उसकी एक छायाप्रति जमा कराने के लिए।

४. *चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र* : चिकित्सकीय स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र (दिए गये प्रपत्र के अनुसार) किसी योग्य चिकित्सक के द्वारा प्रमाणित हो, जिसकी योग्यता कम से कम स्नातक स्तर की हो। (आँख, कान, दाँत विशेष रूप से)

५. *छात्र के* वर्तमान के *पासपोर्ट फोटो* की 6 कॉपी।

६. *माता-पिता* के वर्तमान के *पासपोर्ट फोटो* की 2-2 कॉपी।

७. *विद्यार्थी एवं अभिभावकों का आई.डी. प्रूफ।*

८. *परिवार के सभी सदस्यों की सामूहिक फोटो।*

नोट : सारे प्रमाण-पत्र संतोषजनक पाए जाने पर ही छात्र का प्रवेश सुनिश्चित होगा। प्रवेश सुनिश्चित होने के बाद ही बच्चे की उपस्थिति प्रारम्भ होगी। सभी विवादों के निस्तारण हेतु न्याय क्षेत्र हरिद्वार होगा।

मैंने इस विवरणिका के सभी पृष्ठों पर दी गई जानकारी को अच्छे से पढ़, समझकर हस्ताक्षर किए हैं। मैं इसमें वर्णित सभी सिद्धांतों, नियमों व प्रावधानों से पूर्णतः सहमत होकर अपने बालक/बालिका/पाल्य को गुरुकुलम् में प्रवेश करा रहा हूँ।

1. *"Swadeshi"* is a basic and important principle of Patanjali Gurukulam & Patanjali Yogpeeth. Therefore all general utility items should be sourced from Indian Manufactures only.
2. Above items should be packed in a Travel Bag (Hard-case with Lock)
3. A list of things brought should be handed over to the Hostel Warden.
4. Mobiles, Cameras, iPods, Tabs, Walkman and all such costly Electronics items, Perfumes, costly silver and gold ornaments etc. are NOT permitted.
5. Dress Code: Parents are requested to take care while sending casual clothes with the children. Tight & transparent outfits are not allowed. Dress sense should be based on *Bharatiya Parampara*, comfort, appropriateness & tastefulness of choice, rather than trends of fashion, desire for display or attracting unnecessary attention. These dresses should NOT display risque prints or symbols, advertisements that promote drugs, alcohol, tabacco or violence. They are prohibited on all apparels.

List of Documents to be brought at the time of admission:

1. ***Transfer Certificate (TC)*, countersigned by the D.E.O. or the concerned board official, to be submitted in Original.**
2. ***Birth Certificate*, in Original for verification purpose and one photocopy of it to be submitted.**
3. ***Previous year's Report Card*, in Original for verification purpose and one photocopy of it to be submitted**
4. ***Medical fitness certificate* (in the given format), certified by a qualified doctor having not less than bachelor's degree.**
5. ***Recent passport size photograph* (6 copies) *of the candidate.***
6. ***Recent passport size photograph* (2 copies) *of each parent.***
7. **ID Proof of student & parents.**
8. **One family photo**

Note: Only on finding all documents satisfactory the child's admission would be confirmed. students' attendance will be count once the admission is confirmed. All disputes are subject to the jurisdiction of Haridwar courts of law only.

I have signed on each page of this prospectus after properly reading and understanding all the details. I am admitting my ward after being fully agreed with all the rules & regulations, provisions and the principles.

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

संकल्प-पत्र

केवल प्रतीकात्मक (न्यूनतम) शिक्षा सहयोग राशि योजनानुसार लाभार्थियों हेतु

मैंने पतंजलि गुरुकुलम् के उद्देश्यों, मर्यादा एवं सिद्धांतों को ठीक प्रकार से समझ लिया है कि –

पतंजलि गुरुकुलम् एक सामान्य विद्यालय नहीं है कि जिसमें बालकों को 2–4 वर्षों के लिए प्रवेश दिया जा रहा है, अपितु यह परम पूज्य योगर्षि श्री स्वामी जी महाराज की दिव्य मानव निर्माण की पावन संकल्पना का ही मूर्तिमन्त स्वरूप है। जिसमें हम अभिभावक/संरक्षक स्वेच्छा से एवं पूर्ण सहमति से बालकों को 20 से 25 वर्ष हेतु (उनके स्नातक/परास्नातक/शोध स्तर आदि अध्ययन एवं सेवा कार्य नियोजन तक) महाराजश्री की इच्छानुसार निर्माण करने के लिए समर्पित कर रहे हैं। बालकों की शिक्षा-दीक्षा एवं कॅरियर चयन एवं कॅरियर प्लानिंग सम्पूर्णतः महाराजश्री के आज्ञानुसार होगी। इसमें हम अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की ओर से मध्य में कोई अन्यथा या भिन्न आग्रह या व्यवधान नहीं किया जायेगा और न ही बालकों को शिक्षण काल के मध्य में वापिस ले जाया जायेगा।

हम पूज्य महाराजश्री के राष्ट्रसेवा व आध्यात्मिक, राष्ट्र-निर्माण आदि पावन संकल्पों से पूर्ण सहमत होकर ही अपने बालकों को पतंजलि गुरुकुलम् में प्रवेश करा रहे हैं।

विद्यार्थी का नाम : ..... **कक्षा :** .....

अभिभावक/संरक्षक नाम व हस्ताक्षर : .....

सम्पर्क सूत्र : .....

स्थान : ..... **दिनांक :** .....

Only for Symbolic (Minimum) Contribution Amount Beneficiaries

I have throughly & properly understood the objectives, decorum and principles of Patanjali Gurukulam which states -

Patanjali Gurukulam is not any ordinary school in which children are being admitted for 2-4 years, instead it is the embodiment of the sacred concept of divine human development of Param Pujya Yogrishi Shri Swami Ji Maharaj. In which we (the parents/guardians) are voluntarily and with full consent dedicating our child/children for 20 to 25 years (till their graduation/post graduation/research level or further higher studies and placements in the services) for getting developed as per the wish of Maharajshree. The education, career planning & career selection will be entirely as per the directions of Maharajshree. In this process no interference will be made by us (the parents) and the students in between and neither will the child/children be taken back in the middle of the duration of studies.

We are getting our child/children admitted to Patanjali Gurukulam only because we fully agree with the sacred resolutions of Pujya Maharajshree for Nation's service and spiritual nation building.

Name of Student : ..... Class : .....

Parents Name & Sign. : .....

Contact No. : .....

Place : **Haridwar / Devprayag** Date : .....

अभिभावक/संरक्षक हस्ताक्षर

PATANJALI GURUKULAM

A B.S.B. Affiliated Residential Institute (Pre. Nur.-XIIth)